भाद्रपद कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 30 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 22-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आतंकवाद के अपराधी की तुलना सीमा पार आतंकवाद के पीड़ित से नहीं की जा सकती

6 विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का?

7 नीरू बाजवा ने इंडस्ट्री में एंट्री के लिए बोला 'झूठ'

फर्स्ट टेक

कर्नाटक विधानसभा में भीड़ प्रबंधन पर विधेयक पेश किया गया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने भीड़ नियंत्रण पर एक विधेयक पेश किया है जिसमें बिना अनुमति के कार्यक्रम आयोजित करने, अशांति फैलाने और भीड़ द्वारा ''उत्पात'' मचाने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। कर्नाटक भीड़ नियंत्रण (कार्यक्रमों और सभा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन) विधेयक, चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के दो महीने बाद विधानसभा में पेश किया गया।

रोज वैली मामले में 260 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि धन शोधन से जुड़े एक मामले में कोलकाता स्थित रोज वैली समूह की लगभग 263 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। समूह पर कई निवेशकों को धोखा देने का आरोप है। ईडी ने बताया कि उसने 13 अगस्त को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आदेश जारी किए जाने के बाद कोलकाता वेस्ट इंटरनेशनल सिटी में चारुलता प्रोजेक्ट के बी/02/45 स्थित एक बंगले के साथ-साथ समूह से जुड़ी 32 मुखौटा कंपनियों के शेयर को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है।

अजय सिंह फिर भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष बने

गुरुग्राम/भाषा। निवर्तमान अजय सिंह बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी बार भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष बन गए जिन्होंने लंबे इंतजार के बाद हुए चुनाव में जसलाल प्रधान को हराया । कानूनी लड़ाई के बीच छह महीने से अधिक समय से स्थगित हुए ये चुनाव निर्वाचन अधिकारी राजेश टंडन और बीएफआई की अंतरिम समिति के प्रमुख सिंगापुर के फैरूज मोहम्मद की मौजूदगी में हुए जिन्हें विश्व मुक्केबाजी ने पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा था ।

नागरिक धोखाधड़ी मामले में ट्रंप पर जुर्माना लगाने का फैसला खारिज

न्यूयॉर्क/एपी। न्यूयॉर्क की एक अपीलीय अदालत ने नागरिक धोखाधड़ी मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जुर्माना लगाने के फैसले को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। पांच न्यायाधीशों के पैनल ने न्यूयॉर्क राज्य के उस मुकदमे में अपना फैसला सुनाया, जिसमें ट्रंप पर ऋण हासिल करने के लिए अपनी निवल संपत्ति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया गया था।

22-08-2025 सूर्यास्त 6:26 बजे | 23-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
82,000.71 (+142.87)	25,083.75 (+33.20)

सोना	चांदी
10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भस्मासुरी बिल

जो आज ला रहे हैं बिल वे,
कल थे विरोध में ही सारे।
जो हैं विरोध में आज सभी,
पहले थे उनके जयकारे।
अवसरवादी है राजनीति,
कोई जीते या कोई हारे।
कब बिल बन जाए भस्मासुर,
किसको मारे किसको तारे।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाले विधेयक को संसद ने दी मंजूरी

- 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है
- ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।
- सरकार 'ई-स्पोर्ट्स' और 'ऑनलाइन सोशल गेमिंग' को बढ़ावा देना चाहती है तथा इनके लिए प्राधिकरण बनाए जाएंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बृहस्पतिवार को ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है।

राज्यसभा में 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे बुधवार को ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में विधेयक को चर्चा के लिए पेश करते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा वह जिंदगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

मंत्री ने कहा कि इस आनलाइन गेमिंग के कारण कई परिवार बर्बाद हो गए और कई आत्महत्याएं हुई हैं। उन्होंने इस संबंध में कई खबरों का हवाला भी दिया। उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि देश के युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक पर विपक्ष के सदस्यों को चर्चा में भाग लेना चाहिए। जिस समय वैष्णव यह बात कह रहे थे, विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे।

हंगामे के कारण संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रस्ताव किया कि इस विधेयक को बिना चर्चा के पारित कराया जाये जिसे उप सभापति हरिवंश ने मान लिया।

इससे पहले वैष्णव ने कहा, यह लगभग स्थापित हो गया है कि ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार 'ई-स्पोर्ट्स' और 'ऑनलाइन सोशल गेमिंग' को बढ़ावा देना चाहती है तथा इनके लिए प्राधिकरण बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गेम निर्माताओं को सहायता दी जाएगी।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर सबसे स्थिर संबंधों में से एक : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय व्यापार को ''संतुलित और टिकाऊ तरीके'' से बढ़ाने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया तथा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गैर-शुल्क (टैरिफ) बाधाओं एवं नियामक अड़चनों को ''तेजी से'' दूर करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

दोनों देशों द्वारा रूस को भारतीय निर्यात बढ़ाने सहित द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने का यह संकल्प, व्यापार और टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती दूरी के बीच लिया गया है।

जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, हमारा मानना है कि भारत और रूस के बीच संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के सबसे प्रमुख संबंधों में से एक रहे हैं।

रूस की यात्रा पर आये विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने गुरुवार को मास्को में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। डॉ. जयशंकर ने श्री पुतिन को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और प्रथम उप प्रधानमंत्री के साथ अपनी बातचीत से अवगत कराया।

उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति, जन भावनाएं और नेतृत्व संपर्क इसके प्रमुख प्रेरक बने रहेंगे।

जयशंकर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नवंबर या दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को मॉस्को पहुंचे।

अपनी बातचीत में, जयशंकर और लावरोव ने आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने कहा, आतंक के मुद्दे पर, हमने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मैंने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने के भारत के दृढ़ संकल्प और सीमा पार आतंकवाद से अपने नागरिकों की रक्षा करने के हमारे संप्रभु अधिकार से अवगत कराया।

भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और न ही 2022 के बाद मॉस्को के साथ उसके व्यापार में सबसे बड़ा उछाल आया है। यह रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने के बाद किसी शीर्ष सरकारी अधिकारी की संभवत: पहली स्पष्ट प्रतिक्रिया है। मॉस्को की तीन दिवसीय यात्रा कर रहे जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हम रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। वह चीन है। हम रूसी एलएनजी के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। मैं दावे के साथ नहीं कह सकता, लेकिन मुझे लगता है कि वह यूरोपीय संघ है।

'जनता जिये या मरे, वोट चोरी' से सत्ता में आने वालों को फर्क नहीं पड़ता : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/लखीसराय (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 'वोट चोरी' करके सत्ता में आने वालों को जनता की समस्याओं से कोई परवाह नहीं है क्योंकि उन्हें जनता के वोट की जरूरत नहीं है।

राहुल गांधी एक दिन के अवकाश के बाद बृहस्पतिवार को लखीसराय में 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुए। इससे पहले सुबह के समय राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शेखपुरा से यात्रा आरंभ की और यह यात्रा दोपहर के समय लखीसराय पहुंची। यात्रा में बुधवार को अवकाश था। राहुल गांधी बृहस्पतिवार को उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के नामांकन में शामिल हुए जिसके कारण वह दिन में पहले हिस्से की यात्रा में शामिल नहीं हो सके।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने औरंगाबाद में कुछ युवाओं से मुलाकात का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया, भारत के प्रिय मतदाताओं, मैं आप सभी से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं - जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है? नहीं। उन्हें आपके वोट की ज़रूरत ही नहीं है, इसलिए आपकी समस्याओं की परवाह भी नहीं है। उन्होंने दावा किया, आज की स्थिति आपके सामने है। रिकॉर्ड तोड़ बेरोज़गारी के कारण युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। सरकार पूंजीपतियों के खजाने भर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, नीट, एसएससी पेपरलीक जैसे घोटालों ने लाखों छात्रों के करियर तबाह कर दिए। सरकार ने मुंह फेर लिया। महंगाई आसमान छू रही है, जिससे आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। मगर, सरकार कर बढ़ाती गई।

जॉली एलएलबी 3 टीम पर कसा कानूनी शिकंजा

अक्षय कुमार समेत तीन को समन जारी

पुणे/भाषा। पुणे की एक अदालत ने फिल्म जॉली एलएलबी 3 के निर्माता के साथ ही अभिनेताओं अक्षय कुमार और अरशद वारसी को एक याचिका के जवाब में समन जारी किया है। याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म में वकीलों और न्यायाधीशों को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। दीवानी अदालत के न्यायाधीश जे. जी. पवार ने 18 अगस्त को निर्देशक सुभाष कपूर, अरुण भाटिया और वारसी को समन जारी कर 28 अक्टूबर तक जवाब मांगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का असली नाम राजीव भाटिया है लेकिन गलती से उनका नाम 'अरुण भाटिया' लिख दिया गया।

भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले का पूरी तरह विरोध करता है चीन : राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि चीन भारत पर अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने और उसे और बढ़ाने की धमकी का पूरी तरह विरोध करता है।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फेइहोंग ने यह भी कहा कि शुल्क और व्यापार ''युद्ध'' वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बाधित कर रहे हैं। चीन के राजदूत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत-चीन संबंधों में सुधार का दौर देखा जा रहा है।

भारत और चीन ने मंगलवार को ''स्थिर, सहयोगी और भविष्यमुखी'' संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। इनमें सीमा पर शांति बनाए रखना, सीमा व्यापार को फिर से खोलना, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देना और जल्द से जल्द सीधी हवाई सेवा बहाल करना शामिल है।

दोनों एशियाई दिग्गजों की ''पूर्ण'' विकास क्षमता को साकार करने के उद्देश्य से की गई ये घोषणाएं उस समय आई हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ रहा है।

चीन और भारत ने इन उपायों को एक संयुक्त दस्तावेज में सूचीबद्ध किया था। इससे पहले इस सप्ताह चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ व्यापक बातचीत की थी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी भेंट की थी। यहां आईआईसी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीनी राजदूत ने अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए शुल्क का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया और इसे बढ़ाने की धमकी भी दी। चीन इसका पूरी तरह विरोध करता है।''

खेल मंत्रालय ने कहा कि

पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं

लेकिन क्रिकेट टीम को एशिया कप खेलने से नहीं रोकेंगे

- मंत्रालय ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया है।
- बहुपक्षीय टूर्नामेंट में खेलने से सरकार नहीं रोकेगी तथा ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहली बार लाई गई नई नीति के तहत भारत और पाकिस्तान किसी भी द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिता में तटस्थ स्थान पर भी नहीं खेलेंगे लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने कई टीमों के एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा।

मंत्रालय ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह नीति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है जिसके तहत भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में द्विपक्षीय खेलों में भाग नहीं लेंगे और ना ही पाकिस्तानी खिलाड़ी भारत आयेंगे।

यह पूछने पर कि क्या भारतीय टीम को कई देशों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान में खेलने भेजा जायेगा, सूत्र ने कहा, ऐसे हालात में हम फैसला लेंगे कि हमें जाना है या नहीं।

सूत्र ने कहा, जो देश यह कहता हो कि हमारा ट्रक पत्थर से भरा है और भारत मर्सीडीज है और टकराने से नुकसान किसे होगा, ऐसे देश में हम अपने खिलाड़ियों को कैसे भेज सकते हैं।

मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी इस नीति में सरकार ने पाकिस्तान का नाम लिया है जो अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का आरोपी है जिसमें 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के दौरान भारत ने मई में 'आपरेशन सिंदूर ' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। कहा गया है, पाकिस्तान से जुड़े खेल टूर्नामेंट के प्रति भारत का दृष्टिकोण उस देश के साथ व्यवहार करने की उसकी समग्र नीति को दर्शाता है।

इसके अनुसार, जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं का संबंध है तो किसी भी खेल में भारत की टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। और ना ही हम पाकिस्तान की टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे। हालांकि कई देशों के टूर्नामेंट पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

आवारा कुत्तों के मामले में आज आएगा फैसला

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आवारा कुत्तों से लोगों को होने वाली परेशानियों से संबंधित मामले में शुक्रवार को अपना फैसला सुनायेगा। शीर्ष अदालत की ओर से जारी वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ इस स्वत: संज्ञान मामले में फैसला सुनायेगी। तीन सदस्यीय इस पीठ ने आवारा कुत्तों को पकड़ कर आश्रय गृहों में भेजने संबंधी शीर्ष अदालत के दो सदस्यीय पीठ के 11 अगस्त के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाएगी। अदालत ने 14 अगस्त को सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने दो सदस्यीय पीठ के 11 अगस्त के आदेश के मद्देनजर इस मामले की स्वत: संज्ञान सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की एक नई पीठ गठित की थी।

जल्द ही कोई हमारी धरती से, हमारे रॉकेट से अंतरिक्ष की यात्रा करेगा : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की सफल यात्रा से उत्साहित भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि जल्द ही कोई हमारे अपने कैप्सूल से, हमारे रॉकेट से, हमारी धरती से अंतरिक्ष की यात्रा करेगा।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईएसएस मिशन का प्रत्यक्ष अनुभव बेहद अनमोल और किसी भी प्रशिक्षण से कहीं बेहतर था। उन्होंने कहा कि भारत आज भी सारे जहां से अच्छा दिखता है। ये शब्द पहली बार भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने 1984 में अपने अंतरिक्ष मिशन के दौरान कहे थे। अपने 'एक्सिओम-4' मिशन को लेकर शुक्ला ने कहा कि आईएसएस मिशन से हासिल अनुभव भारत के 'गगनयान' मिशन के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा और उन्होंने पिछले साल अपने (एक्सिओम-4) मिशन के दौरान बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा, आपने चाहे कितना भी प्रशिक्षण लिया हो, लेकिन उसके बाद भी, जब आप रॉकेट में बैठते हैं और इंजन चालू होता है तथा आप उड़ान भरते हैं, तो मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही अलग एहसास होता है।

शुक्ला ने कहा, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस दौरान कैसा महसूस होगा। (आईएसएस की यात्रा के लिए) रॉकेट में सवार होने से लेकर धरती पर वापस लौटने पर उसके समुद्र में उतरने तक का अनुभव अविश्वसनीय था। यह इतना रोमांचक और अद्भुत था कि मेरे पास इसे बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष विभाग लगभग 70 वर्षों से अस्तित्व में है और आधिकारिक तौर पर इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) की स्थापना 1969 में हुई थी। उन्होंने कहा, ...आखिर यह सब पिछले कुछ वर्षों में ही क्यों हुआ, पिछले पांच-छह दशकों में ऐसा क्यों नहीं हो सका। हमने उन रणनीतियों पर अमल करना शुरू कर दिया है, जिनका पालन बाकी दुनिया कर रही है। अब हमारे मानक वैश्विक मानक हैं, हमारी रणनीतियां वैश्विक हैं और जिन मानदंडों पर हम खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं, वे भी वैश्विक हैं।

भारत के 'गगनयान' मिशन के चालक दल में शामिल ग्रुप कैप्टन प्रशांत बी नायर ने कहा, अब से कुछ महीनों बाद दिवाली आने वाली है। यही वह समय है, जब राम जी ने अयोध्या में प्रवेश किया था। अभी यहां अगर मैं खुद को लक्ष्मण कह सकूं तो... भले ही मैं उम्र में 'शुक्ला' से बड़ा हूं, फिर भी मैं किसी दिन इस राम का लक्ष्मण बनना पसंद करूंगा।

नायर ने कहा, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि राम और लक्ष्मण को पूरी वानर सेना से बहुत मदद मिली थी। यहां इसरो की हमारी शानदार टीम वानर सेना की तरह है... उसके बिना यह संभव नहीं होता। शुक्ला ने भारत सरकार, इसरो और उन सभी लोगों का आभार जताया, जिन्होंने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने इस मिशन को हमारे देश की जनता तक पहुंचाने में मदद की और इसे सभी के देखने के लिए सुलभ बनाया।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ में पर्युषण पर्व आराधना गतिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में गुरुवार को पर्युषण पर्व आराधना की गई। अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने स्वागत किया। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने बताया कि संघ, श्राविका मंडल, युवक परिषद के सदस्यों के लिए स्वाध्यायी श्रावक प्रकाशचंद जैन के सान्निध्य में कांता जैन, ज्योति जैन , मुमुक्षु प्रतीक्षा के संयोजन में पर्युषण पर्व आराधना गतिमान है। प्रतीक्षा ने आत्मा की सुरक्षा विषय पर कहा कि जिस तरह शरीर की रक्षार्थ बीमा भरना पड़ता है, वैसे ही आत्मरक्षार्थ व्रत, सामायिक, पच्चक्खान, स्वाध्याय रूपी बीमा राशि भरनी होगी।

प्रकाशचंद जैन ने सम्यक दर्शन विषय पर रोशनी डालते हुए कर्माधीन परिस्थितियों में मनोस्थिति को बदलते हुए दृष्टि, नजारे बदलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ज्ञान-अज्ञान का भेद जानने के लिए सम्यक दृष्टि अहम है। उन्होंने दुर्लभ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए कई दृष्टान्त पेश किए। जिनवाणी राम बाण का कार्य करती है। ज्ञान सीखने के लिए काल, विनय, सम्मान, उपादान, व्यंजना, अर्थाचार और तदुभ्याचार को जानना आवश्यक है। श्राविका मंडल की अध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा के सहयोग से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान जारी है।समस्त आयोजन में संघ के अनेक सक्रिय कार्यकर्ता व्यवस्था संभाल रहे हैं ।

मानसून सत्र सरकार और देश के लिए उपयोगी, विपक्ष के लिए विफलता वाला : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद का मानसून सत्र देश और सरकार के लिए ''उपयोगी और सफल'' था, लेकिन विपक्ष के ''असफल और नुकसानदेह'' रहा।

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद रीजीजू ने कहा कि सरकार ने अपना सारा कामकाज निपटाया और सत्र की ''सफलता दर 100 प्रतिशत'' रही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता पक्ष को हंगामे के बीच अपने विधेयक पारित करने पड़े क्योंकि विपक्ष ने चर्चा की अनुमति देने के अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया।

मंत्री का कहना था, सरकार को राष्ट्रहित में जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपने विरोध प्रदर्शनों के ज़रिए सरकार को काम करने से नहीं रोक सकता।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके सदन के नेता और सचेतक कई बार सत्र के दौरान सरकार के साथ अनौपचारिक सहमति बना लेते थे, लेकिन दोनों सदनों में इसे लागू नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, वे दबाव में हो सकते हैं। रीजीजू ने कहा, कांग्रेस के नए सांसद कैसे सीखेंगे? उनके नेता तो कुछ सीखते ही नहीं। बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे एकजुट विपक्ष ने 21 जुलाई से शुरू हुए पूरे सत्र के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की मांग पर जोर दिया, जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही। सरकार ने इस आधार पर उनकी मांग को खारिज कर दिया कि यह मुद्दा न्यायालय में विचाराधीन है और निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। इस सत्र में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दो दिन सुचारू रूप से चली। रीजीजू ने कहा कि विरोध और असहमति लोकतांत्रिक बातें हैं, लेकिन संसद और सरकार को काम करने से रोकना और बाधित करना अलोकतांत्रिक है। सरकार ने सत्र के दौरान लोकसभा में 14 विधेयक पेश किए और 12 विधेयकों को मंजूरी दिलाई। राज्यसभा में 15 विधेयक पारित हुए। रीजीजू ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए तीन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष के भारी विरोध की भी आलोचना की।

इन विधेयकों में गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिन तक गिरफ्तार रहने की स्थिति में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से अनिवार्य रूप से हटाने का प्रावधान है।

मंत्री ने कहा कि यह एक ''क्रांतिकारी'' प्रस्ताव है और कुछ दल खुद को बचाने के लिए कानून बनाते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यालय को ही इस प्रस्तावित कानून के दायरे में लाने का फैसला किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए राजस्थान सरकार पुलिस विभाग के प्रमुख अधिकारी प्रसन्न खींवेसरा ने गांधीनगर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित मुनि के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सलाहकार माणकचंद बरलोटा, सुरेश दक, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार प्रसार मंत्री कविता जैन आदि ने अणुव्रत पट्ट व जैन साहित्य प्रदान कर खिंवेसरा का सम्मान किया।

अपने आप को धर्म रूप से चार्ज करने का समय है पर्युषण : साध्वी मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन श्रावक के 11 वार्षिक कर्तव्यों का वर्णन किया। साध्वीश्री ने कहा कि पर्युषण पर्व के ये 8 दिन धर्म का पेट्रोल भरने के दिन हैं। 360 दिन कोई भी धर्म क्रिया नहीं करने वाला भी आठ दिन आराधना करके पूरे वर्ष को चार्ज कर सकता है। साध्वीश्री ने

आबू सेठ, कुमार पाल महाराज की कथा सुनाते हुए 11 कर्त्तव्य रथ यात्रा, तीर्थ यात्रा, प्रभु का जन्मोत्सव व स्नात्र महोत्सव, देव द्रव्य की वृद्धि, महापूजा, रात्रि जागरण, श्रुत ज्ञान की भक्ति उद्यापन, तीर्थ प्रभावना और आलोचना के बारे में जानकारी दी। साध्वीश्री ने कहा कि पर्युषण में सभी जीवों को माफ करना मुख्य संदेश है। साध्वीश्री ने मिच्छामि दुक्कड़म का मतलब मेरा तेरा छोड़ना, अपने दोषों को नहीं छिपाना, मर्यादा में रहना, अपनी आत्मा के दोषों की निंदा करना, पापोंका क्षय करना है। साध्वीश्री ने कहा कि हमें संघ की अपेक्षा व निंदा नहीं करनी चाहिए। जिन आज्ञा और जिन वचन का पालन नहीं करने वाला आशातना का भागी होता है।

मुक्ति का सबसे सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग : साध्वी कंचनकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन साध्वीश्री अणिमाश्री ने प्रवचन में कहा कि पर्व के दिनों में सद्गुणों का सर्जन करना है और साथ ही अंतरमन में रही हुई बुराइयों का विसर्जन भी करना है। साध्वीश्री ने कहा कि जिस प्रकार उद्यान में पहुंचते ही व्यक्ति फूलों को चुन लेता है और कांटों को छोड़ देता है, उसी प्रकार जीवन में भी जहां भी, जिससे भी मिलें, गुण मिलें उन्हें ग्रहण करना चाहिए। जैसे खदान में हीरा होता है, उसी तरह मनुष्य के अन्तःकरण में भक्ति का कमल विद्यमान होना चाहिए। भगवान छल, बल से नहीं अपितु निष्काम भक्ति से जरूर प्राप्त होते हैं। उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी ने कहा कि जैसे ढोलक की थाप सुनते ही नृत्यकार के पैर थिरकने लगते हैं। संगीत सुनते ही गायक के होंठ गुनगुनाने लगते हैं, वैसे ही पर्युषण के दिनों में मन, हृदय कुटिलता रहित होकर जप-तप करने में तत्पर हो जाता है। मुक्ति का सबसे सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि तपस्वी आरती रांका ने मासखमण तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

सीएसआर के तहत पिछड़े और दूरदराज के जिलों पर ध्यान देने की जरूरत: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कंपनियों और निजी क्षेत्र की इकाइयों से आग्रह किया कि वे अपने कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) का ध्यान शहरी केंद्रों से हटाकर पिछड़े और दूरदराज के जिलों पर केंद्रित करें। उन्होंने महाराष्ट्र में ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक बदलाव लाने के लिए सरकार के साथ मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

फडणवीस ने महाराष्ट्र ग्राम सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन (वीएसटीएफ) की पांचवीं संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस पहल का अगला चरण अधिक समावेशी, जमीनी स्तर पर संचालित और परिणाम-उन्मुख होना चाहिए, जिसमें निजी कारोबारियों से नीति और कार्यान्वयन दोनों का समर्थन शामिल हो। उन्होंने कहा, सीएसआर प्रयास केवल शहरों तक ही सीमित नहीं होने चाहिए। हमें अविकसित ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए गांवों के भीतर संस्थागत संरचनाओं की आवश्यकता बतायी। फडणवीस ने कहा, ग्रामीण स्तर पर बदलाव केवल योजनाओं को लागू करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि स्वामित्व सृजन, क्षमता निर्माण और गति को बनाए रखना भी अहम है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने एसटीएल लिमिटेड द्वारा जल संरक्षण परियोजनाओं पर एक रिपोर्ट भी जारी की। बैठक के दौरान लातूर में एक किसान-उत्पादक कंपनी के गोदाम का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन भी किया गया।

फॉक्सकॉन ने भारत में नेतृत्व बदला, रॉबर्ट वू बने नए प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल के उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में अपने शीर्ष नेतृत्व में बदलाव किया है। कंपनी ने भारत के प्रतिनिधि वी ली को पदोन्नत कर चेयरमैन के कार्यालय में नई जिम्मेदारियां दी हैं, जबकि उनकी जगह शार्प कंपनी के सीईओ रॉबर्ट वू को भारत का नया प्रमुख बनाया गया है।

ली के नेतृत्व में फॉक्सकॉन इंडिया का कारोबार 20 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया और कंपनी के कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 80,000 के करीब पहुंच गई। फॉक्सकॉन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह बदलाव उनकी नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। इस सप्ताह से फॉक्सकॉन इंडिया के नए प्रतिनिधि अब रॉबर्ट वू हैं। इस भूमिका से पहले, रॉबर्ट वू जापान में फॉक्सकॉन की अनुषंगी कंपनी शार्प कॉर्प के सीईओ थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से फोन पर बातचीत की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत की जिसमें यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। मोदी ने इस बातचीत को ''बहुत अच्छा'' बताया। मैक्रों इस सप्ताह हुई अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की बातचीत के दौरान उनके साथ मौजूद यूरोपीय नेताओं में शामिल थे। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, हमने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। जेलेंस्की से मुलाकात करने से कुछ दिन पहले ट्रंप ने अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन संघर्ष पर शिखर वार्ता की थी।

केंद्र ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें 'जेड' श्रेणी की 'वीआईपी' सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गुप्ता, उनके आधिकारिक आवास और राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस क्षेत्र में राज निवास मार्ग स्थित उनके कार्यालय को भी अर्द्धसैनिक बल के वीआईपी सुरक्षा समूह (वीएसजी) द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी, जो विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है। यह समूह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस पार्टी के गांधी परिवार को भी सुरक्षा प्रदान करता है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के बाद उन्हें 'जेड' श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा प्रदान की गई है।

ध्यान भटकाने के लिए गृह मंत्री ने 'वेपन ऑफ मास डिस्ट्रैक्शन' वाले विधेयक पेश किए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र में गतिरोध बने रहने के लिए बृहस्पतिवार को सरकार को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने ''वोट चोरी'' जैसे कुछ प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने के मकसद से ''वेपन ऑफ मास डिस्ट्रैक्शन'' (जनता का ध्यान भटकाने के हथियार) के रूप में तीन विधेयक पेश किए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से यह भी कहा कि विपक्ष के बार-बार मांग करने के बावजूद सरकार अड़ी रही और उसने चुनाव प्रक्रिया को लेकर सदन में चर्चा नहीं कराई। रमेश ने कहा, इस सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष की मांग थी कि पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर और एसआईआर पर चर्चा हो। इस सत्र की शुरुआत तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के साथ एक धमाके से हुई। उन्होंने कहा कि धनखड़ का इस्तीफा एक भूकंप की तरह था जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 10 थी। कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार ने एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) पर चर्चा कराने से इनकार किया, जबकि हमने यहां तक पेशकश की थी कि इसे एसआईआर नहीं कहकर 'चुनावी सुधार' या 'चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाना' कह कर चर्चा कराई जाए, लेकिन सरकार नहीं मानी।

उप राष्ट्रपति चुनाव को आंकड़ों के खेल नहीं, विचाराधारा की लड़ाई के रूप में देखना होगा: रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि उप राष्ट्रपति चुनाव को नतीजों तथा आंकड़ों को खेल के रूप में नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी दलों को उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रड्डी का समर्थन करना चाहिए। रमेश ने कहा कि कांग्रेस सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क साधेगी।

सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल किया। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि वाले राधाकृष्णन ने बुधवार को नामांकन दाखिल किया था। रमेश ने कहा, सत्तापक्ष की तरफ से आरएसएस की विचारधारा वाले व्यक्ति उम्मीदवार हैं और विपक्ष की ओर से एक ऐसे व्यक्ति उम्मीदवार हैं जो उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं, देश के संविधान, धर्मनिरेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते हैं। यह मुकाबला सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच नहीं है, यह विचाराधा के बीच है। इसलिए हमने तय किया कि हमें चुनाव लड़ना है। यह महत्वपूर्ण निर्णय था। उनके अनुसार, विपक्ष देश को एक संदेश देना चाहता था कि सबकुछ एकतरफ नहीं चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफ से आम सहमति बनाने का प्रयास एक दिखावा था।

ओवैसी ने चीन को लेकर मोदी सरकार की 'ढुलमुल' नीति पर उठाए सवाल

हैदराबाद/भाषा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की दो दिवसीय भारत यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को सवाल उठाया कि क्या भारत-चीन सीमा पर स्थिति 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों से पहले वाली 'यथास्थिति' पर लौट आई है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की चीन नीति 'ढुलमुल' रही है, जिससे भारत कमजोर हुआ है और 11 साल बाद खराब स्थिति में आ गया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में दावा किया, क्या सीमा पर स्थिति अप्रैल 2020 वाली यथास्थिति पर लौट आई है? अगर नहीं, तो चीन के साथ इतनी गहरी दोस्ती का ऐलान करते हुए हम अब इसे कैसे हासिल करेंगे? ओवैसी ने पूछा कि चीन, भारत के साथ जलविद्युत बांधों को पानी देने वाली नदियों से वास्तविक समय के आंकड़े साझा करने पर सहमत क्यों नहीं हुआ और मानवीय आधार पर जानकारी केवल आपात स्थितियों तक ही सीमित क्यों है?

अगर संवैधानिक पदाधिकारी कर्तव्य न निभाएं, तो क्या अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार से पूछा कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन न करें या राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता दिखाई जाए, तो क्या संवैधानिक अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा में पारित विधेयकों को लंबित रखते हैं, तो न्यायिक समाधान के बजाय राज्यों को राजनीतिक समाधान तलाशने चाहिए। संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

पीठ राष्ट्रपति के उस संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत उन्होंने यह जानने का प्रयास किया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकती हैं। पीठ ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो उसका समाधान होना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने मेहता से सवाल किया, अगर संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण के अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करते हैं, तो क्या एक संवैधानिक न्यायालय हाथ पर हाथ धरे रह सकता है? मेहता ने कहा कि सभी समस्याओं

के लिए अदालतें समाधान नहीं हो सकतीं और लोकतंत्र में बातचीत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, अगर किसी राज्यपाल की ओर से कोई निष्क्रियता दिखाई जा रही है, जो राज्य दर राज्य भिन्न हो सकती है, और अगर कोई असंतुष्ट राज्य इस संबंध में अदालत का रुख करता है, तो क्या ऐसी निष्क्रियता की न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह रोका जा सकता है। हमें बताइए, इसका समाधान क्या हो सकता है?

मेहता ने कुछ 'लचीलापन' अपनाने का आह्वान करते हुए कहा, मान लीजिए कि राज्यपाल विधेयक को रोके बैठे हैं, तो ऐसे में कुछ राजनीतिक समाधान हैं, जिन्हें अपनाया जा सकता है। हर जगह ऐसा नहीं होता कि मुख्यमंत्री सीधे अदालत पहुंच जाएं। कई उदाहरण हैं, जहां बातचीत होती है, मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिलते हैं, वह प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिलते हैं और समाधान निकाल लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि गतिरोध सुलझाने के लिए कई बार टेलीफोन पर बातचीत की गई। मेहता ने कहा, पिछले कई दशकों से, अगर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसे सुलझाने के लिए यही प्रक्रिया अपनाई जाती रही है। प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल, राष्ट्रपति से मिलते हैं और कई बार कोई मध्य मार्ग भी निकाल लिया जाता है। उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र के प्रतिनिधि राज्यपाल के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए दूरदर्शिता और राजनीतिक परिपक्वता अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मेहता ने दलील दी, मैं कह रहा हूं कि इस देश की हर समस्या का समाधान अदालत में ही मिले, यह जरूरी नहीं है। देश में कई ऐसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान व्यवस्था के भीतर ही तलाशा जाता है। संविधान में कहीं भी राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के वास्ते कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने मेहता से कहा, अगर कुछ गलत हुआ है, तो उसका समाधान भी होना चाहिए। यह अदालत संविधान की संरक्षक है और इसे संविधान की व्याख्या शाब्दिक अर्थ देकर करनी होगी।

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने दवा के 46 नमूनों को 'मानक गुणवत्ता का नहीं' पाया

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने जुलाई के लिए अपने मासिक औषधि अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित 46 दवाओं के नमूनों को 'मानक गुणवत्ता का नहीं (एनएसक्यू)' पाया है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवाओं के नमूनों को एनएसक्यू के रूप में पहचाना है। नियमित नियामक निगरानी गतिविधि के अनुसार, एनएसक्यू और नकली दवाओं की सूची मासिक आधार पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) पोर्टल पर प्रदर्शित की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, जुलाई-2025 के महीने के लिए, केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 46 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के नहीं (एनएसक्यू) और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के नहीं (एनएसक्यू) के रूप में पहचाना है। अधिकारियों ने कहा कि दवाओं के नमूनों की एनएसक्यू के रूप में पहचान किसी एक या अन्य निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों में दवा के नमूने की विफलता के आधार पर की जाती है।

द्रमुक सरकार अल्पसंख्यकों के साथ मजबूती से खड़ी है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार अल्पसंख्यकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल कर और विरोधियों को हटाकर देश को तानाशाही की ओर ले जाने के लिए काला कानून ला रहे हैं। वह संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को पेश किये जाने का उल्लेख कर रहे थे। शाह ने लोकसभा में बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किया, जिसमें प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में 30 दिन तक गिरफ्तार रहने पर पद से हटाने का प्रावधान है।

स्टालिन ने कहा, ''कल केंद्रीय गृह मंत्री खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल करके और अपने विरोधियों को हटाकर देश को तानाशाही की ओर ले जाने के लिए एक काला कानून लेकर आए।'' उन्होंने कहा कि इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अल्पसंख्यकों के खिलाफ नागरिकता संशोधन अधिनियम और वक्फ संशोधन अधिनियम जैसे कई कानून लेकर आए थे। स्टालिन ने यहां पुस्तक विमोचन समारोह में कहा, जिस तरह द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने उस समय इन कानूनों का कड़ा विरोध किया था, हम भी उसी तरह इस काले कानून का विरोध करेंगे। उन्होंने पूछा कि केंद्र ऐसी चीजों में क्यों शामिल होने की कोशिश कर रहा है और दावा किया कि यह लोगों की समस्या से ध्यान भटकाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''वे न केवल लोगों का ध्यान भटका रहे हैं, बल्कि देश को लोकतंत्र के रास्ते से भटकाने का भी प्रयास कर रहे हैं।'' स्टालिन ने यहां द्रमुक के पूर्व मंत्री ए. रहमान खान द्वारा लिखित पांच पुस्तकों का विमोचन करते हुए कहा, ''द्रमुक हमेशा अल्पसंख्यकों के साथ दृढ़ता से खड़ी रहेगी।'' स्टालिन द्रमुक के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने दिवंगत रहमान खान की निष्ठा की सराहना करते हुए दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) ने उन्हें कई बार अन्नाद्रमुक में शामिल होने का आमंत्रण दिया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''रहमान खान द्रमुक की विचारधारा से जुड़े रहे और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नेतृत्व के प्रति निष्ठा रखते थे।''

मुख्यमंत्री ने रहमान खान को 'स्टार स्पीकर' करार देते हुए कहा कि वह और वरिष्ठ नेता दुरईमुरुगन और के. सुब्बु 'इदि, मिन्नल और मझाई' (गर्जना, बिजली और मूसलाधार बारिश) के रूप में विख्यात थे। स्टालिन ने कहा ''जब एमजीआर मुख्यमंत्री थे, उस समय ये तीनों नेता विधानसभा में विपक्ष में हुआ करते थे और उनके प्रभावशाली भाषणों से सदन गूंज उठता था।''

बंगाल, पूर्वोत्तर में घुसपैठ का उद्देश्य एक और विभाजन की साजिश रचना है : रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में बड़े पैमाने पर' घुसपैठ सिर्फ रोजी-रोटी के लिए पलायन का मामला नहीं बल्कि 'एक रणनीतिक' कदम है जिसका उद्देश्य भारत का एक और विभाजन कराना है। रवि ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के ऐतिहासिक 'वाइस-रीगल लॉज' में सीमा पार घुसपैठ पर आयोजित दो दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सीमा विमर्श' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह गंभीर खतरा है और कोई भी सेना इसे रोक नहीं सकती।'

रवि ने कहा, बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में जिस तरह की घुसपैठ हो रही है, उसका मतलब सिर्फ बेहतर जीवन व आर्थिक अवसरों के लिए लोगों का यहां आना नहीं बल्कि एक और विभाजन की रणनीतिक योजना है। एक ऐसा काम, जो अभी जारी है। हमें इस बारे में चिंता करनी होगी क्योंकि कोई भी सेना इसे रोक नहीं सकती। यह भारत की एकता और अखंडता का सवाल है। राज्यपाल ने कहा कि अवैध प्रवास की समस्या आजादी के बाद से ही बनी हुई है और सभी सरकारों ने पूर्वोत्तर को एक दूरस्थ सीमा माना था। उन्होंने कहा,आजादी के बाद, हमने अपनी सीमाओं को दूर का इलाका समझकर उन्हें अपने सैनिकों के हवाले कर दिया। आजादी के बाद से हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्रों में अवैध प्रवास सबसे बड़ी समस्या रही और हमने पूर्वोत्तर के लोगों को यह सोचकर उनके हाल पर छोड़ दिया कि ये लोग हमसे अलग हैं।

रवि ने कहा, ऐसी ही सोच के कारण पूर्वोत्तर के आदिवासियों और देश के बाकी हिस्सों के बीच आंतरिक संघर्ष आजादी के बाद ही अस्तित्व में आया। आजादी से पहले ऐसा कोई संघर्ष नहीं था। उन्होंने क्षेत्र के लोगों में समावेश की भावना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने का श्रेय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दिया। रवि ने कहा, यह (संघ) एक ऐसा समूह है, जिसने हमेशा पूर्वोत्तर में बेहतरी और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए काम किया। मैं वर्षों से इस नेक काम के लिए संघ के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कहा कि सेना को 'सारे जहां से अच्छा' गीत की धुन को बजाना बंद कर देना चाहिए क्योंकि इसके लेखक एवं कवि मुहम्मद इकबाल का मानना था कि हिंदू और मुसलमान सांस्कृतिक रूप से असंगत हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली विश्वविद्यालय में हमने फैसला किया है कि हम इकबाल के बारे में नहीं पढ़ाएंगे। उस व्यक्ति ने जिन्ना को मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों की बात न कर हिंदुओं के साथ सांस्कृतिक असंगति की बात करने की सलाह दी थी। यही तर्क पाकिस्तान के वर्तमान सेना प्रमुख असीम मुनीर ने भी दोहराया था।

उन्होंने कहा, सवाल यह नहीं है कि विश्वविद्यालयों में इकबाल के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए या नहीं बल्कि यह है कि एक समाज के तौर पर हम इस बात पर बुरा क्यों नहीं मानते कि हमने एक ऐसे शायर को पढ़ाया जिसने विभाजन और सांस्कृतिक असंगति की बात की।

सिंह ने कहा, हमारी सेना भी सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' की धुन बजाती है। सेना को यह गाना नहीं बजाना चाहिए क्योंकि हमारे देश के लोग सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' से सहमत थे लेकिन वह (इकबाल) खुद कभी इस पर विश्वास नहीं करते थे। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से आग्रह किया कि वे अपने पाठ्यक्रम से इकबाल को हटाने पर विचार करें।

टीवीके पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों में इतिहास रचेगी : अभिनेता विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगी, जो 1967 और 1977 के विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों की उपलब्धियों जैसा ही होगा।

वर्ष 1967 में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की पहली जीत और एक दशक बाद एमजी रामचंद्रन के नेतृत्व में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की यादगार जीत का जिक्र करते हुए विजय ने कहा कि उनकी पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों में तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

अभिनेता से नेता बने विजय ने यहां परापति में पार्टी के द्वितीय सम्मेलन में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, ''टीवीके की राजनीति वास्तविक, भावनात्मक, लोगों की बेहतरी और केवल उनकी भलाई के लिए है।'' उन्होंने कहा, ''यह हमारा दूसरा सम्मेलन है, जिसका विषय मतदाताओं की वापसी का 'इतिहास' है। वर्ष 1967 और 1977 के चुनावों की तरह, 2026 में तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक शानदार इतिहास दोहराया जाएगा।''

उन्होंने आगे कहा कि उनकी पार्टी जनता की आवाज को प्रतिबिम्बित करती है और यह अजेय आवाज और एक अजेय शक्ति है। अपनी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को लेकर राजनीतिक विरोधियों द्वारा की जा रही आलोचना की ओर इशारा करते हुए विजय ने कहा कि टीवीके अपनी उपलब्धियों के जरिये उन्हें (राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को) गलत साबित कर देगा। उन्होंने कहा, ''हमें कम मत आंकिए, हमारे सम्मेलन में आने वाले लोग न केवल वोट देंगे, बल्कि जनविरोधी सरकार को करारा झटका भी देंगे... शेर हमेशा शेर ही रहता है, 'जंगल का राजा' यद्यपि जंगल में गीदड़ जैसे कई जानवर होते हैं।''

विशाल टीके ने पुरुष 400 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

चेन्नई। तमिलनाडु के विशाल थेनारासु कयालविझी ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय अंतर राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष 400 मीटर स्पर्धा में 45.12 सेकेंड के समय से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

इक्कीस साल के विशाल ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को काफी पीछे छोड़ते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ 400 मीटर धावक की अपनी दावेदारी और मजबूत की। उन्होंने 45.21 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया जो मोहम्मद अनस ने 2019 में बनाया था। इससे पहले विशाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 45.57 सेकेंड था जो उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में 2025 एशियाई चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने के दौरान बनाया था। विशाल हालांकि 44.85 सेकेंड के विश्व चैंपियनशिप के स्वत: क्वालीफिकेशन समय से चूक गए। तमिलनाडु के अनुभवी राजेश रमेश 46.04 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि हरियाणा के विक्रांत पांचाल ने 46.17 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल किया।

सरकारी स्कूल के छात्र संयुक्त राष्ट्र में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत में पहली बार तमिलनाडु के ग्रामीण सरकारी स्कूलों के छात्र 21 और 22 अगस्त को बैंकॉक के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन केंद्र (यूएनसीसी) में 5वें अंतर्राष्ट्रीय युवा मंच में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करेंगे देश के इतिहास में यह पहली बार है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले छात्र संयुक्त राष्ट्र के इतने बड़े आयोजन में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र के लिए छात्र शिक्षा अभियान (सीईईयूएन) का हिस्सा है, जिसका आयोजन सतत विकास परिषद द्वारा किया जा रहा है। तमिलनाडु सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के सबसे दूरस्थ ज़िलों तक पहुँचकर, एक कठोर योग्यता-आधारित चयन प्रक्रिया के माध्यम से, प्रतिभागी छात्रों का चयन किया गया है । इनमें से कई बच्चे अपने गृह ज़िलों से पहली बार बाहर जा रहे हैं। इस यात्रा के माध्यम से अब वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता, नवाचार और नेतृत्व, तथा वैश्विक नागरिकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत के युवाओं की आवाज़ को साझा करने के लिए वैश्विक मंच पर कदम रखेंगे। यात्रा के मुख्य प्रायोजक जीआरटी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स है। इस अवसर पर जीआरटी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के सीईओ विक्रम कोटाह ने कहा, ये छात्र लाखों छात्रों के सपनों का प्रतिनिधित्व करेंगे उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना अपना सौभाग्य समझते है कि वे गरिमा, गौरव और आशा के साथ विश्व मंच पर पहुँचें।

उन्होंने कहा कि इस पहल का समर्थन करके हम ग्रामीण पृष्ठभूमि के अन्य युवाओं को बड़े सपने देखने, ऊँचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

अभिनेत्री उत्पीड़न मामला : राहुल ममकूटाथिल ने केरल युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल में मलयालम अभिनेत्री के उत्पीड़न के आरोपों में पार्टी की आंतरिक जांच का सामना कर रहे कांग्रेस के विधायक राहुल ममकूटाथिल ने युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यहां अदूर में स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में यह घोषणा की। अभिनेत्री रिनी एन. जॉर्ज ने आरोप लगाया है कि एक प्रसिद्ध राजनीतिक दल के युवा नेता ने उनसे दुर्व्यवहार किया है, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से संबद्ध युवा संगठन डीवाईएफआई ने ममकूटाथिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और विधायक पद से इस्तीफा देने की मांग की।

ममकूटाथिल के इस्तीफा देने से कुछ ही देर पहले कांग्रेस नेता और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने कहा था कि दोषी पाए गए किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत यह कहते हुए की कि उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह नेता प्रतिपक्ष के साथ-साथ केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेताओं से भी बात की थी। ममकूटाथिल ने कहा, उन्होंने मुझसे इस्तीफा नहीं मांगा। अभिनेत्री मेरी दोस्त हैं और मुझे नहीं लगता कि जिस व्यक्ति का उन्होंने जिक्र किया, वह मैं था। वह मेरी अच्छी दोस्त हैं और रहेंगी। मेरा मानना है कि मैंने अब तक कानून या देश के संविधान के खिलाफ कुछ भी नहीं किया है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के अंत में अपने इस्तीफे की घोषणा की। कांग्रेस विधायक ने कहा, ऐसे समय में जब राज्य सरकार गंभीर आरोपों का सामना कर रही है, कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को ऐसे मामलों पर अपना समय और ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए। इसलिए, मैंने युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। मेरा अब भी मानना है कि मैंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। ममकूटाथिल ने अपने इस्तीफे की घोषणा के बाद इस मामले पर आगे कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया और अपने घर के अंदर चले गए।

चुनावी रैली में 12 साल से छोटे बच्चों को लाने पर लगे प्रतिबंध

चेन्नई। हाल ही में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के सम्मेलन ने एक व्यथित करने वाली सच्चाई को उजागर हुआ। देखा गया कि माता-पिता छह महीने से पाँच साल तक के शिशुओं और बच्चों को ऐसे वातावरण में लाते हैं जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल है। यह हानिकारक प्रथा, जो केवल टीवीके तक ही सीमित नहीं है, तमिलनाडु और पूरे भारत में राजनीतिक सभाओं में व्याप्त है, जो भारतीय संविधान में निहित बच्चों के मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन करती है। इस तरह की गतिविधियाँ बाल कल्याण के पवित्र सिद्धांतों को कमजोर करती हैं और हमारे राष्ट्र के नैतिक और नैतिक आधार को खतरे में डालती हैं।

भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में अभिनेता से नेता बने टीवीके के प्रमुख विजय से अपील की कि नैतिक स्पष्टता के साथ नेतृत्व करने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने का आग्रह करते हैं : टीवीके 12 साल से कम उम्र के बच्चों को हमारे कार्यक्रमों में आने से रोकेगा, भारतीय संविधान और बाल संरक्षण कानूनों के अनुरूप, उनके कल्याण को प्राथमिकता देते हुए। यह साहसिक प्रतिबद्धता टीवीके को नैतिक शासन में अग्रणी के रूप में स्थापित करेगी, और अन्य दलों को भी इस मानक का अनुकरण करने और हमारे सबसे कम उम्र के नागरिकों की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को राज्य सरकारों के साथ मिलकर निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए और 12 साल से कम उम्र के बच्चों को राजनीतिक सम्मेलनों में भाग लेने से रोकने वाली एक राष्ट्रव्यापी नीति लागू करनी चाहिए। माता-पिता या आयोजकों द्वारा नियमों का पालन न करने पर संवैधानिक प्रावधानों और बाल संरक्षण कानूनों के तहत कठोर दंड का सामना करना चाहिए और बिना किसी अपवाद के जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। बाल अधिकारों की रक्षा करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पवित्रता बनाए रखने में ईसीआई की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को इन उल्लंघनों की सक्रिय रूप से जाँच करनी चाहिए और सरकारों, राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग को बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। इसका उद्देश्य स्पष्ट है: बच्चों को शोषण से बचाना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना, जिससे कोई समझौता न हो। डीएमके, कांग्रेस और इंडी गठबंधन सहित राजनीतिक दलों को ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए आंतरिक निर्देश जारी करने चाहिए, और बाल कल्याण को दलगत हितों से ऊपर रखना चाहिए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने में तमिलनाडु का नेतृत्व करना चाहिए, तथा जिम्मेदार शासन की मिसाल कायम करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा समर्थित मोदी सरकार का विकसित भारत का दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा पर आधारित है। कड़े नियमों को लागू करके, हम डॉ. आंबेडकर की संवैधानिक विरासत का सम्मान करते हैं और एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करते हैं जहाँ बच्चे शोषण से मुक्त होकर फल-फूल सकें।

टीवीएस ने इलेक्ट्रिक तिपहिया पोर्टफोलियो का विस्तार किया, ढुलाई खंड के लिए मॉडल उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को ढुलाई खंड के लिए एक तिपहिया वाहन पेश करते हुए अपने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की श्रृंखला का विस्तार किया। कंपनी ने इस साल की शुरुआत में यात्री खंड के लिए किंग ईवी मैक्स को उतारने के साथ इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन खंड में कदम रखा था। टीवीएस किंग कार्गो एचडी को एक बार चार्ज करने पर 156 किलोमीटर चलाया जा सकता है। इसकी शोरूम कीमत 3.85 लाख रुपये है। टीवीएस मोटर कंपनी के वाणिज्यिक कारोबार प्रमुख रजत गुप्ता ने कहा कि इस मॉडल को इस साल के अंत में सीएनजी ट्रिम में भी पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक मॉडल को ज़बर्दस्त स्वीकार्यता मिल रही है और वर्ष 2030 कुल तिपहिया वाहन बाज़ार में इस खंड की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत होने की संभावना है।

गुप्ता ने बताया कि पिछले साल लगभग 20,000 इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो कुल 60,000 तिपहिया वाहन बाज़ार का लगभग 31 प्रतिशत हिस्सा है। गुप्ता ने कहा, जहां तक मालवाहक खंड (कार्गो सेगमेंट) की बात है, हर महीने लगभग 10,000 इलेक्ट्रिक वाहन बिक रहे हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत डीजल और 25-25 प्रतिशत इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी है। उन्होंने बताया कि तिपहिया वाहन खंड में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है। गुप्ता ने कहा, हमें उम्मीद है कि 2030 तक बाज़ार का 60 प्रतिशत हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहन का होगा। सभी ईंधन एक साथ मौजूद रहेंगे, लेकिन मुख्य रूप से 50-60 प्रतिशत बाज़ार इलेक्ट्रिक वाहन ही होगा। टीवीएस किंग कार्गो एचडी के बारे में, उन्होंने बताया कि कंपनी सबसे पहले दिल्ली-एनसीआर में प्रवेश कर रही है। उसके बाद बेंगलूरु, गुजरात और महाराष्ट्र में इसकी बिक्री शुरू की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या इस उत्पाद का निर्यात भी किया जाएगा, गुप्ता ने कहा कि ढुलाई तिपहिया वाहनों का विदेशी बाजार अब भी छोटा ही है जो लगभग 4,000 इकाई प्रति वर्ष का है। उन्होंने कहा, हालांकि यह बहुत छोटा है, लेकिन इसे अपनाया जाएगा। इसलिए हम पहले से ही कुछ देशों में प्रयास कर रहे हैं।

पद्मनाभस्वामी मंदिर में 'मुरजापम' उद्घोषणा समारोह आयोजित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में 'मुरजापम-लक्षदीप' उत्सव का उद्घोषणा समारोह बृहस्पतिवार को मंदिर के पूर्वी नाडा में आयोजित किया गया।

पूर्ववर्ती त्रावणकोर राजपरिवार के सदस्य गौरी पार्वतीबाई, गौरी लक्ष्मीबाई और आदित्य वर्मा ने समारोह में अभिनेता मोहनलाल को उद्घोषणा पत्रक सौंपा।

उन्होंने उद्घोषणा पत्रक पढ़ा, जिसमें कहा गया है कि श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में 'मुरजापम-लक्षदीप' उत्सव 20 नवंबर से प्रारंभ होकर अगले वर्ष 14 जनवरी तक चलेगा। 'मुरजापम' मंदिर में छह साल में एक बार आयोजित होने वाला 56 दिनों का अनुष्ठान है। इसमें वेदों और 'विष्णु सहस्रनाम' का निरंतर जाप शामिल होता है। लगभग 200 वैदिक विद्वान इस जाप में भाग लेंगे।

यह उत्सव 14 जनवरी को 'मकर संक्रम' के दिन 'लक्षदीपम' के साथ संपन्न होगा, जो एक भव्य आयोजन होगा। इस आयोजन के दौरान मंदिर एक लाख तेल के दीपों की रोशनी से जगमग होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि एवं अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। वेलूर नगर निगम के कायदैपेट में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 81वीं जयंती अवसर पर कांग्रेस पार्टी की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस नगर उपाध्यक्ष पी. पी. चंद्र प्रकाश ने किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दलपत सिंह भायल ने बताया कि इस अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस मौके पर नगर उपाध्यक्ष वी. एस. गणेश, कृष्ण कुमार, देवसिगामणि, एगांबरम, पलनी, राजा व तुलसी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनआईए ने रामलिंगम हत्या मामले में तमिलनाडु में नौ स्थानों पर छापे मारे, एक और आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े 2019 के रामलिंगम हत्या मामले में तमिलनाडु में नौ स्थानों पर तलाशी ली तथा एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनआईए दलों ने बुधवार की सुबह राज्य के दो जिलों में नौ स्थानों पर छापेमारी की ताकि रामलिंगम की हत्या से संबंधित मामले में फरार घोषित अपराधियों का पता लगाया जा सके। इस हत्या का मकसद लोगों में भय और सांप्रदायिक नफरत फैलाना था। बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान एनआईए ने कोडईकनाल स्थित अंबुर बिरयानी होटल्स के मालिक इमदादउल्लाह को 2021 में अपने होटल में फरार घोषित अपराधियों को जानबूझकर और स्वेच्छा से ''शरण देने'' के आरोप में गिरफ्तार किया।

पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) पार्टी के कार्यकर्ता रामलिंगम की पांच फरवरी 2019 को तंजावुर के पाकु विनायकम थोप्पू में कथित तौर पर पीएफआई के सदस्यों और पदाधिकारियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि डिंडुगल और तेनकासी जिलों में की गई तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण आदि भी जब्त किए गए। इसमें कहा गया है कि इमदादउल्लाह द्वारा कथित तौर पर शरण दिए गए तीन घोषित अपराधियों में से दो की पहचान अब्दुल मजीद और शाहुल हमीद के रूप में हुई है। उन्हें एनआईए ने इस वर्ष 25 जनवरी को गिरफ्तार किया था, जबकि तीसरा घोषित अपराधी मोहम्मद अली जिन्ना अब भी फरार है। मार्च 2019 में तमिलनाडु पुलिस से जांच का जिम्मा संभालने वाली एनआईए ने अगस्त 2019 में चेन्नई की एक अदालत में 18 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें से छह भगोड़े थे। एनआईए ने 2021 में छह भगोड़ों में से एक को गिरफ्तार किया था जिसकी पहचान रहमान सादिक के रूप में हुई थी।

नवंबर 2024 में एजेंसी ने डिंडीगुल जिले के कोडईकनाल के पूमबाराई क्षेत्र में अब्दुल मजीद और शाहुल का पता लगाया और उन्हें कथित तौर पर शरण देने वाले व्यक्ति मोहम्मद अली जिन्ना को गिरफ्तार किया, जिसे मामले में 19वां आरोपी बनाया गया।

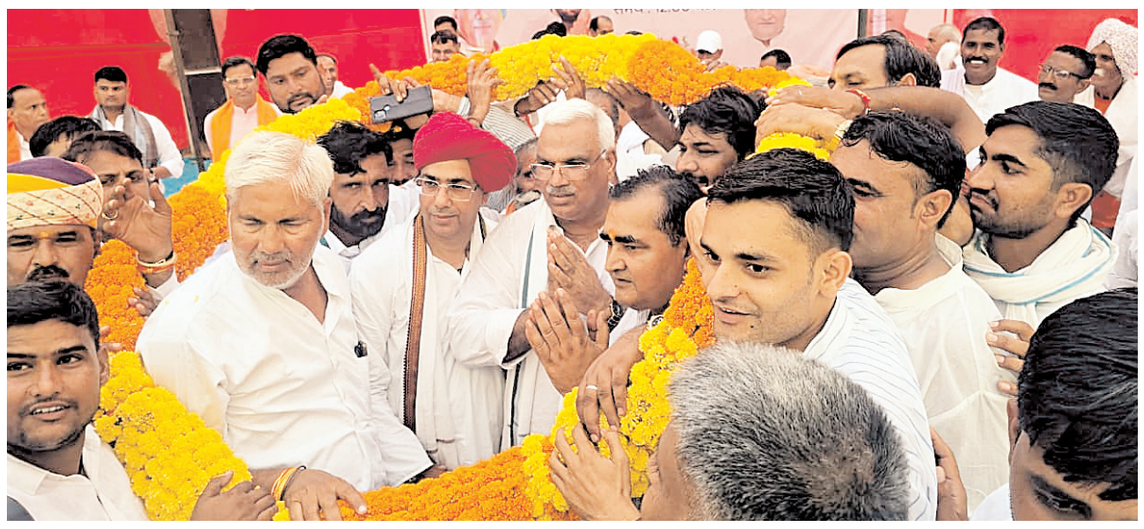

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है राज्य सरकार : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्यमंत्री एवं करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम के द्वारा देवनारायण मन्दिर परिसर, नन्दे भूमिया में आयोजित वार्षिक लक्खी मेले एवं कर्नल किरोडी सिंह बैंसला साहब की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए जागरूक रहने व हरियाळो राजस्थान के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन को दिया।

बेढम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार हरियालो राजस्थान वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश को हरा-भरा बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनका संरक्षण व संवर्धन की भी बात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है और इसके लिए अनेक योजनाएं संचालित कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कर्नल किरोडी सिंह बैंसला की मूर्ति का अनावरण भी किया।

करौली जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार धार्मिक नगरी जगदीश धाम मंदिर कैमरी को कार्ययोजना के अनुसार कृष्ण गमन पथ से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार पांचना बांध का पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जा रहा है। प्रदेश में करोडों रूपये के विकास कार्यो के शिलान्यास एवं लोकार्पण कर विकास कार्य करवाये जा रहे है। इस प्रकार करौली जिला अध्यात्मिक, सांस्कृतिक और चहुंमुखी विकास की ओर उत्तरोत्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होगा। उन्होंने युवा पीढी से अपील की कि वे नशे आदि व्यसनों से दूर रहे और शिक्षा पर अधिक ध्यान दें जिससे जिले, राज्य व देश की प्रगति में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें। और प्रदेश की सरकार द्वारा सृजित किये जा रहे रोजगार के अवसरों का लाभ ले सकें। इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर सहित जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी और आमजन उपस्थित रहे।

तालाब की खुदाई के दौरान संदिग्ध 'जीवाश्म' जैसे अवशेष मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में तालाब की खुदाई के दौरान बड़ी हड्डी के आकार का एक ढांचा और जीवाश्म जैसे कुछ अवशेष मिले हैं। इससे इस जगह के प्रागैतिहासिक डायनासोर युग से जुड़े होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि इनकी वैज्ञानिक पुष्टि अभी की जानी है।

फतेहगढ़ उपखंड के मेघा गांव में एक तालाब की खुदाई करते समय लोगों को पत्थर की ये विशिष्ट संरचनाएं, बड़े कंकाल जैसा एक ढांचा मिला। इनमें से कुछ टुकड़े जीवाश्म लकड़ी जैसे हैं तो बाकी हड्डियों जैसे दिखते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में जीवाश्म लकड़ी असामान्य नहीं है, लेकिन हड्डी जैसी संरचनाओं की उपस्थिति इस खोज को विशिष्ट बनाती है।

फतेहगढ़ के उपखंड अधिकारी व तहसीलदार ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और अवशेषों का निरीक्षण किया। फतेहगढ़ के उपखंड अधिकारी भरतराज गुर्जर ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया है और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के वैज्ञानिकों के जांच के लिए मौके पर आने की उम्मीद है। पूरी जांच के बाद ही हम जीवाश्म की आयु और प्रकार की पुष्टि कर पाएंगे।

पुरातत्वविद पार्थ जगानी ने कहा, यहां मिली कुछ संरचनाएं पथरीली लकड़ी जैसी दिखती हैं लेकिन एक बड़ी संरचना भी है जो कंकाल जैसी नजर आती है। इन सबका संयोजन बताता है कि ये अवशेष लाखों साल पुराने, संभवतः डायनासोर युग के हो सकते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक परीक्षणों से पहले इनके बारे में कोई निष्कर्ष निकालने को लेकर आगाह किया है। प्रोफेसर श्याम सुंदर मीणा ने कहा, ये अवशेष किसी गहरी खुदाई से नहीं निकले बल्कि सतह पर दिखाई दे रहे हैं।

संभव है कि ये अधिक प्राचीन न हों और केवल 50 से 100 साल पुराने हों। केवल कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक विश्लेषण के अन्य तरीकों से ही उनकी सही आयु का पता लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध जीवाश्म तालाब के पास पत्थर की चोटियों में धंसे हुए पाए गए, जो अक्सर प्राचीन तलछटी जमावों से जुड़ा होता है। थार रेगिस्तान में पहले भी जीवाश्म लकड़ी मिलने के समाचार आए हैं लेकिन कंकाल जैसी संरचना के साथ संयुक्त खोज इस मामले को विशिष्ट बनाती है।

इस खोज के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए और अवशेषों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इस अनूठी खोज से अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्थल इस इलाके के प्रागैतिहासिक अतीत के नए साक्ष्य प्रदान कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि जैसलमेर जिले में पहले भी डायनासोर युग के महत्वपूर्ण जीवाश्म और पैरों के निशान मिले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह नवीनतम खोज प्रमाणित हो गई तो इससे देश में जीवाश्म विज्ञान अनुसंधान के केंद्र के रूप में राजस्थान का महत्व और बढ़ेगा।

शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए राजस्थान को मिलेंगे 3 हजार 200 करोड़ रुपये

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के उन्नयन, विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए 3 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। शर्मा द्वारा हाल ही में नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए केन्द्रीय अंश की राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 3 हजार 200 करोड़ रुपये राज्य को देने के लिए सहमति प्रदान की है। साथ ही, इस राशि की प्रथम किस्त शीघ्र जारी करने का आश्वासन भी दिया है। मुलाकात के दौरान शर्मा ने समग्र शिक्षा के तहत राज्य में शिक्षा विभाग की प्रगति, नीति एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में भी केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को जानकारी दी।

प्रदेश के विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों से गुरूवार को पीडब्ल्यूडी संवेदकों द्वारा लगभग 70 दिन से जारी हड़ताल समाप्त हो गई। आपसी सहमती से तैयार किए गये समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के बाद संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सरकार एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि हमारी सरकार राजस्थान के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। हमने संवेदकों द्वारा उठाई गई मांगो पर सकारात्मक चर्चा करके उनके सकारात्मक समाधान के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विकास को प्राथमिक लक्ष्य रखकर हम सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखकर आगे बढ़ रहे हैं।

इससे पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता के कक्ष में संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर उन्हें समझौता पत्र सौंपा।

पदाधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों की निविदाओं में जीएसटी को अलग कर निविदाएं आमंत्रित करने, सीमेंट कंकरीट सड़क निर्माण कार्यों में पीक्यूसी की मोटाई 20 सेमी तक के कार्यों के लिए डीएलपी (गारंटी अवधि) 5 वर्ष रखने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही अन्य बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसमे संवेदकों के दो प्रतिनिधि एवं विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि हम सरकार की इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि प्रदेश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर सरकार का सहयोग करेंगे। इस दौरान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों बीएस राव, रामसिंह शेखावत, मोहर सिंह सोलाना, नरेन्द्र सिंह सोलंकी, किरोड़ी मल मोदी, अंजन चौधरी, भूरा राम चौधरी ,सुनील गर्ग, महेश गहलोत सहित पीडब्ल्यूडी के शासन सचिव डीआर मेघवाल, मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ऐसा कानून बना रही है जो यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की चाल है। गहलोत गुरुवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अब राजग सरकार ऐसा कानून बना रही है जिससे किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर रहे नेता को गिरफ्तार कर जेल में डालकर पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल है। गहलोत ने कहा कि सिर्फ विपक्षी ही नहीं, सत्ता पक्ष के भी ऐसे नेता जो शीर्ष नेतृत्व की इच्छा अनुरूप काम नहीं करेंगे उन्हें भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार कर इस कानून के तहत गिरफ्तार कर बर्खास्त करेंगे जिससे उनकी पब्लिक इमेज भी खराब की जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे घोर अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही मानसिकता को बढ़ावा देने वाले बिल का सभी दलों को विरोध करना चाहिए।

जमानत तक नहीं हुई लेकिन ट्रायल के बाद ये नेता निर्दोष साबित हुए। ऐसी गिरफ्तारियों की वजह केवल भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध था। अब राजग सरकार ऐसा कानून बना रही है जिससे किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर रहे नेता को गिरफ्तार कर जेल में डालकर पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल है। गहलोत ने कहा कि सिर्फ विपक्षी ही नहीं, सत्ता पक्ष के भी ऐसे नेता जो शीर्ष नेतृत्व की इच्छा अनुरूप काम नहीं करेंगे उन्हें भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार कर इस कानून के तहत गिरफ्तार कर बर्खास्त करेंगे जिससे उनकी पब्लिक इमेज भी खराब की जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे घोर अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही मानसिकता को बढ़ावा देने वाले बिल का सभी दलों को विरोध करना चाहिए।

रिश्तेदार के लिए नवजात का अपहरण करने वाला व्यक्ति राजस्थान में गिरफ्तार

नयी दिल्ली/जयपुर। मध्य दिल्ली से एक नवजात का अपहरण कर उसे अपने एक रिश्तेदार को कथित तौर पर बेचने की कोशिश करने वाले आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने राजस्थान के खेतड़ी से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजात को सुरक्षित ढूंढकर उसकी मां को सौंप दिया गया जबकि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने बताया कि आरोपी की पहचान जितेंद्र कुमार (32) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना 19 अगस्त को उस समय हुई, जब चेन्नई की रहने वाली एक महिला अपने बच्चे के साथ दिल्ली में एक रिश्तेदार से मिलने के लिए ट्रेन से यहां पहुंची। महिला ने पुलिस को बताया कि कुमार ने यात्रा के दौरान उससे दोस्ती की, लगभग दो घंटे तक उससे बात की और उसका विश्वास जीत लिया। उपायुक्त ने बताया, शिकायत के अनुसार, आरोपी ने महिला के साथ उसके रिश्तेदार के घर चलने की पेशकश की। रास्ते में, वह एक कपड़े की दुकान पर रुका, महिला को 150 रुपये दिए और उस बच्चे के लिए एक ड्रेस खरीदने को कहा और बच्चे को गोद में लेकर बाहर इंतजार करने लगा।

पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार 9-10 दिसंबर को 'राइजिंग राजस्थान' पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन करेगी। कॉन्क्लेव के दौरान 10 दिसंबर को पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस भी आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अनुवर्ती कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा यह साझेदारी सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक औद्योगिक गठबंधनों और साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। यह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय संगठनों के साथ राजस्थान की साझेदारियों को भी सुदृढ़ करेगा। पिछले वर्ष आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान राजस्थान की अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों और नए निवेश के उभरते क्षेत्रों, युवा एवं महिला, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, ऊर्जा एवं उद्योग पर केंद्रित विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। साझेदारी सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए निवेशक रोड शो की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी। इनमें दिल्ली, हैदराबाद, सूरत और कोलकाता में राष्ट्रीय रोड शो के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में एक अंतर्राष्ट्रीय रोड शो भी शामिल है।

पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले राजस्थान के विकास में खनन एवं पेट्रोलियम तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों की भूमिका पर प्रकाश डालने वाले पूर्व-शिखर सम्मेलन भी आयोजित किए जाएँगे। मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष आयोजित वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित करने की घोषणा की थी। यह समारोह न केवल प्रवासी राजस्थानी समुदाय को एक साथ आने और अपनी साझा पहचान का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करेगा बल्कि उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने और राज्य के समग्र विकास में निवेश करने का एक मंच भी प्रदान करेगा। एक दिवसीय प्रवासी दिवस में आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल आदि राज्यों के प्रवासी वक्ता शामिल होंगे और दो विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रवासी समुदाय द्वारा अर्जित प्रसिद्धि का सम्मान करते हुए और राजस्थान के विकास में उनके योगदान का जश्न मनाते हुए सरकार प्रमुख प्रतिभागियों को प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार (झठड-) भी प्रदान करेगी। यह पुरस्कार व्यवसाय, विज्ञान, कला, उद्योग, परोपकार, समाज सेवा, संगीत और अन्य क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए भी प्रतिभागियों को प्रदान किया जाएगा।

गौरतलब है कि दिसंबर, 2024 में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में 35 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन्वेस्टमेंट समिट के बाद मात्र आठ महीनों में ही 4.25 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों सम्बंधी कार्यों का शिलान्यास शुरू हो चुका है, जो समझौता ज्ञापनों के कार्यान्वयन में तेजी लाने और उद्योगों के साथ साझेदारी को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राजस्थान में स्थापित होगी 'लैंग्वेज लैब', युवाओं के लिए विदेशों में नौकरी की राह होगी आसान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवाओं को सही दिशा देकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही, युवाओं को सशक्त बनाकर ही विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। इसी दिशा में राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी और केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा 'लैंग्वेज लैब' स्थापित की जाएगी। लैंग्वेज लैब में युवाओं को अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पैनिश, जापानीज जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे इन भाषाओं में पारंगत बन सकें और उनके लिए विदेशों में रोजगार की राह प्रशस्त हो सके। लैंग्वेज लैब में युवाओं को मिलने वाले विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण से उनके कौशल में बढ़ौतरी होगी। यह पहल युवाओं को विदेशों के साथ ही देश में भी पर्यटन, व्यापार, आईटी, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में कारगर साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य में औद्योगिक परिदृश्य को नए आयाम देने के लिए राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष राइजिंग राजस्थान ग्लोबल निवेश समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट के दौरान राज्य सरकार एवं विभिन्न उद्यमियों के बीच लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समिट के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में रूचि दिखाई थी।

देवासी ने सिरोही में किया सीसी सड़क का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही जिले के रुखाड़ा में रेबारी वास में सीसी सड़क निर्माण कार्य व नाली निर्माण कार्य का विधिवत रूप से लोकार्पण किया।

यह सड़क राज्य वित्त आयोग षष्टम जिला परिषद द्वारा निर्मित की गई है जिसकी लागत राशि 20.75 लाख रुपए हैं। यहां बारिश के समय में पानी भराव की बड़ी समस्या थी यह सड़क बनने के बाद पानी भरने की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि आमजन के कल्याण के कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता से करवाने के लिए तत्पर है उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से आमजन को राहत मिलेगी।

खाद्य सुरक्षा सूची से 54 हजार से अधिक लोगों ने हटाया नाम

जयपुर/दक्षिण भारत । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को चित्तौड़गढ जिला परिषद के ग्रामीण विकास अधिकरण सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना एवं गिव अप अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में मंत्री गोदारा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध करवाने के लिए गिव अप अभियान महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के तहत चित्तौड़गढ़ जिले में अब तक 54 हजार 272 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना से नाम हटाकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पहल से जरूरतमंद और गरीब परिवारों को योजना का सीधा लाभ सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान की सफलता का परिणाम है कि जिले में अब तक 1 लाख 23 हजार नए पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया है। यह कदम खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने और पारदर्शिता लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मंत्री गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए लाभार्थियों को समय पर राशन कार्ड जारी कर योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करें : सुधांश पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से वित्तीय समावेशन तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के देशव्यापी संतृप्तता अभियान के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जिला वार प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव, राजस्व दिनेश कुमार ने डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फार्मर रजिस्ट्री की जिलावार प्रगति से अवगत करवाया।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संतृप्तता अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं है बल्कि अधिक से अधिक लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से किसानों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और कृषि क्षेत्र को भी नई दिशा मिलेगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा एवं पेंशन जैसी जरूरी वित्तीय सेवाओं को आमजन की पहुँच तक सुलभ किया जा सकेगा।

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का और अधिक संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करें। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान यह सुनिश्चित करें की आमजन को तय समय सीमा में राहत मिले और वे कार्यवाही से संतुष्ट हों।

मुख्य सचिव पंत ने कहा कि पब्लिक डीलिंग से संबंधित विभागों के अधिकारी और अधिक विनम्रता एवं संवेदनशीलता बरतते हुए आमजन के कार्यों का निष्पादन करें। उन्होंने समस्त संभागीय आयुक्त को निर्देश दिए कि वे सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें और प्रगति की समीक्षा करते रहें।

विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वाभाविक, अपराधियों से भरी पड़ी है कांग्रेस : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को विपक्ष कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और उनके सहयोगी दलों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि (प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को उनके पद से हटाने के प्रावधान वाले) विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वाभाविक है क्योंकि उनकी पार्टियां अपराधियों से भरी पड़ी है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिहं की पुण्यतिथि एवं तृतीय हिंदू गौरव दिवस के अवसर पर यहां प्रधान ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और उनके सहयोगी दलों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वभाविक है क्योंकि उनकी पार्टियां अपराधियों से भरी पड़ी है। राममंदिर आंदोलन के दौरान कल्याण सिंह द्वारा रामभक्तों पर गोली चलाने के आदेश पर हस्ताक्षर न करने और सत्ता से त्यागपत्र दे देने तथा केजरीवाल के भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने के बाद भी सत्ता न छोड़ने का उदाहरण देते हुए प्रधान ने कांग्रेस एवं विपक्ष की नैतिकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कल्याण सिंह को याद करते हुए कहा कि वह केवल एक व्यक्ति या नेता नहीं बल्कि एक विचार एवं अनुष्ठान थे। एक बयान के मुताबिक प्रधान ने कहा, कल एक विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के सामने रखा गया। उस विधेयक में कहा गया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्र एवं मंत्री अगर जेल जाते हैं तो उनको 30 दिन के अंदर गद्दी छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं और अगले एक दशक तक वही प्रधानमंत्री रहेंगे, इसके बावजूद उन्होंने कानून लाया कि चाहे प्रधानमंत्री हों, मुख्यमंत्री हों या कोई भी मंत्री हो उसे गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर गद्दी छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने कहा, कल्याण सिंह को भी 1991 में रामभक्तों पर गोली चलाने से मना करने की कीमत चुकानी पड़ी थी। यह कोई अपराध नहीं था बल्कि एक राष्ट्र गौरव के काम को उन्होंने आगे बढ़ाया। मगर केन्द्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की सरकार ने कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त कर दिया था। मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी उन्होंने ऐसा किया।

कल्याण सिंह जी का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा : योगी

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि 'बाबूजी' (कल्याण सिंह) का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि सिंह की विरासत ही आज राज्य के विकास की आधारशिला बनी है। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

एक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने कहा, बाबूजी का जन्म अलीगढ़ जिले के एक छोटे से किसान परिवार में हुआ था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें बचपन में ही राष्ट्रीयता के संस्कार मिले। शिक्षक के रूप में और फिर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपना जीवन भारत माता और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा,''आज उनकी पुण्यतिथि पर प्रदेश की जनता की ओर से, हर रामभक्त की ओर से और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। योगी ने कहा कि भारतीय राजनीति में बाबूजी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने अपने आदर्शों की अमिट छाप छोड़ी। योगी का कहना था कि 1977 में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। सन् 1990 में जब उत्तर प्रदेश की स्थिति बिगड़ी हुई थी, तब उन्होंने कानून का राज स्थापित कर सुशासन का लक्ष्य सामने रखा। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने विरासत और विकास की यात्रा को साथ-साथ आगे बढ़ाने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा,''कांग्रेस ने 1992 में अलोकतांत्रिक तरीके से उनकी सरकार को बर्खास्त किया था। उस कठिन समय में उन्होंने बिना देर किए राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपने पद का बलिदान दिया। उन्होंने कहा,''जब विवादित ढांचा गिरा, तब कल्याण सिंह जी ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। उन्होंने कहा कि किसी रामभक्त को आंच नहीं आनी चाहिए। उन्होंने साहस दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

नोरा फतेही जैसी दिखने के लिए पत्नी से जबरन कराता था घंटों व्यायाम, मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले में एक अजीबोगरीब मामले में महिला ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही की तरह दिखने के लिए जबरन घंटों तक सख्त व्यायाम कराने और इससे इनकार करने पर खाना नहीं देने व दहेज उत्पीड़न के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर जबरन गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। महिला ने शिकायत में कहा है कि उसकी शादी छह महीने पहले हुई थी। उसके परिवार ने शादी पर 76 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किए थे। इसके बावजूद उसका पति और ससुराल के अन्य लोग उसे दहेज के लिए परेशान करते थे। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति उसकी शारीरिक बनावट को लेकर लगातार ताने मारता था तथा वह उसे ''मोटी और बदसूरत'' भी कहता था। उसका पति शारीरिक शिक्षा का अध्यापक है। शिकायत में कहा गया है कि उसका पति और ससुराल वाले उससे कथित तौर पर रोज़ाना तीन घंटे कसरत करने की मांग करते थे और अगर वह ऐसा नहीं करती तो उसे खाना नहीं देते थे।

अठारह साल की आयु से अधिक के व्यक्ति असम में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगे: हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय के तहत, 18 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्ति राज्य में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 18 साल से अधिक की आयु के व्यक्तियों को आधार कार्ड का आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा, बशर्ते कि अभी तक आधार कार्ड नहीं बनवाया हो।

हालांकि, उन्होंने कहा कि चाय बागानों में रहने वाले आदिवासी, 18 वर्ष से अधिक आयु के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को अगले एक साल तक आधार कार्ड जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, आधार कार्ड जारी करने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को नागरिकों की पहचान की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। यह कदम पिछले एक साल में बांग्लादेश से संभावित घुसपैठ से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के प्रति सरकार द्वारा ध्यान दिए जाने को प्रदर्शित करता है।

कल्याण सिंह को मिले भारत रत्न, अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ रखा जाए : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करने और अलीगढ़ का नाम बदलकर 'हरिगढ़' करने की मांग की।

मौर्य ने यहां 'हिंदू गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए कहा, बाबूजी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। यही मेरी इच्छा है। उन्होंने हाल में कुछ शहरों के नाम बदले जाने का जिक्र करते हुए कहा, आप सभी जानते हैं कि अयोध्या का नाम पहले फैजाबाद था लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उसका नाम अयोध्या कर दिया गया। इसी तरह प्रयागराज को पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था। अभी दो दिन पहले ही शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया था.... तो फिर अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ करने में कोई देर नहीं होनी चाहिए। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जितिन प्रसाद भी मौजूद थे। मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा, यह तथाकथित पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फूट डालो और राज करो के अलावा कुछ नहीं है। बाबूजी (पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह) की पुण्यतिथि पर हम सपा की साइकिल (पार्टी) को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेते हैं। यही बाबूजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए बिहार सरकार ने कई कदम उठाये: नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने उन मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं जिन्हें उनके पतियों ने छोड़ दिया है। कुमार ने कहा कि बिहार सरकार ने राज्य में मुस्लिम लड़कियों और लड़कों की शिक्षा को समर्थन देने के लिए विभिन्न उपाय भी किए हैं।

बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुमार ने कहा, जिन मुस्लिम महिलाओं को उनके पतियों द्वारा छोड़ दिया जाता है, उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है... ऐसी मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार और समर्थन के लिए, राज्य सरकार ने 2007 में 10,000 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता शुरू की। यह राशि अब बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह कर दी गई है। उन्होंने कहा, मुस्लिम लड़के-लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग कई योजनाएं चला रहा है। कुमार ने कहा कि यदि शादी के बाद महिलाओं को छोड़ दिया जाए तो उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2005 से पहले राज्य में मुस्लिम समुदाय के लिए कोई काम नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि 2005 में राजग की सरकार बनने के बाद, मुस्लिम समुदाय के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं। उन्होंने कहा, पहले अक्सर हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। इसलिए, 2006 से कब्रिस्तानों की बाड़ लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बड़ी संख्या में कब्रिस्तानों की बाड़ लगाई जा चुकी है और अब ऐसा कोई झगड़ा नहीं होता। कुमार ने कहा, पहले मदरसों की हालत बहुत दयनीय थी। मदरसा शिक्षकों को अच्छा वेतन नहीं मिलता था। वर्ष 2006 के बाद मदरसों का पंजीकरण हुआ और उन्हें सरकारी मान्यता मिली। अब मदरसा शिक्षकों को सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बराबर वेतन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 के चुनाव से पहले कई दंगे हुए थे, जिनमें 1989 का भागलपुर दंगा भी शामिल था, लेकिन न तो तत्कालीन सरकार और न ही बाद की सरकारों ने उचित जांच कराई। नवंबर 2005 में जैसे ही हम सत्ता में आये,, पूरी जांच कराई गई, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और दंगा पीड़ितों को मुआवजा दिया गया। कुमार ने कहा कि दंगा प्रभावित परिवारों को पेंशन के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है।

म्यांमा से बाहरी लोगों का आना 'वास्तविक' है और निरंतर 'जारी' है: बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने म्यांमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले लोगों की बायोमेट्रिक जानकारियां एकत्र करने के लिए असम राइफल्स की सराहना की। असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा ने बुधवार को मणिपुर विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि 31 दिसंबर 2024 से अर्धसैनिक बल ने यहां आने वाले 42,000 लोगों के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली है। लखेरा के संबोधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंह ने असम राइफल्स की तारीफ की। उन्होंने लखेरा के संबोधन की वीडियो क्लिप भी साझा की। सिंह ने कहा, मैं लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा, एवीएसएम, एसएम, डीजी असम राइफल्स को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने पुष्टि की है कि अवैध रूप से भारत-म्यांमा सीमा पार करके भारत आने वालों की बायोमेट्रिक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं।

बीसीसीआई को आगामी चुनाव नए अधिनियम के अनुसार कराना चाहिए : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय चाहता है कि बीसीसीआई सितंबर में होने वाले अपने चुनाव राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून के तहत कराये लेकिन अगर तब तक नए अधिनियम के नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत लोढा समिति की सिफारिशों के अनुसार भी कराये जा सकते हैं। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, वैसे तो चुनाव अधिनियम के अनुसार ही कराये जाने चाहिए लेकिन अगर तब तक इसके नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो वे लोढा समिति की सिफारिशों के तहत भी करा सकते हैं। सूत्र ने कहा, एक बार नियमों की अधिसूचना जारी होने पर बीसीसीआई समेत सभी राष्ट्रीय महासंघों को इसके अनुसार चुनाव कराने होंगे। लोढा समिति की सिफारिशों के तहत पदाधिकारियों की आयुसीमा 70 वर्ष के भीतर रहनी चाहिए लेकिन नए अधिनियम में 70 से 75 वर्ष के बीच के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ सकते हैं अगर अंतरराष्ट्रीय महासंघ के नियम इसकी अनुमति देते हैं। आईसीसी के नियमों में पदाधिकारियों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।

उप राष्ट्रपति चुनाव किसी व्यक्ति नहीं, भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि के बारे में है : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि यह चुनाव किसी व्यक्ति के बारे में नहीं, बल्कि भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि करने के बारे में है, जहां संसद निष्ठापूर्वक कार्य करे, असहमति का सम्मान किया जाए और संस्थाएं स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करें। रेड्डी ने एक बयान में कहा, आज, मुझे विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में भारत के उप राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैंने यह नामांकन पत्र विनम्रता, जिम्मेदारी और हमारे संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ दाखिल किया। उन्होंने कहा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, विधि के छात्र और इस गणराज्य की लोकतांत्रिक परंपराओं में निहित एक नागरिक के रूप में सार्वजनिक जीवन ने उन्हें यह सिखाया है कि भारत की असली ताकत प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, संवैधानिक नैतिकता की रक्षा और देश की विविधता में एकता में निहित है। रेड्डी ने कहा, यह चुनाव केवल एक व्यक्ति के बारे में नहीं है। यह हमारे राष्ट्र निर्माताओं द्वारा परिकल्पित उस भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि करने के बारे में है, जहां संसद निष्ठापूर्वक कार्य करे, असहमति का सम्मान किया जाए और संस्थाएं स्वतंत्रता व निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करें। राज्यसभा के सभापति के रूप में उप राष्ट्रपति पर संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी है।

उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल किया।

बी. सुदर्शन रेड्डी के नामांकन पत्र के चार सेट दाखिल किए गए हैं, जिन पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, द्रमुक के तिरुचि शिवा सहित करीब 160 सांसदों ने बतौर प्रस्तावक और अनुमोदक हस्ताक्षर किए हैं।

नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया, खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तिरुचि शिवा और विपक्ष के कई अन्य नेता मौजूद थे।

मानसून सत्र चढ़ा एसआईआर पर हंगामे की भेंट : लोस की उत्पादकता रही 31 फीसदी, रास की 39 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया और इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना रहा। इसके कारण लोकसभा की उत्पादकता जहां महज 31 घंटे प्रतिशत रही वहीं राज्यसभा में यह 39 फीसदी रही।

लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र के दौरान कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा प्रकट करते हुए कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है।

इसी प्रकार राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने सत्र के दौरान लगातार बने गतिरोध पर निराशा जताते हुए कहा, सूचीबद्ध कार्यों पर सार्थक और सुचारू चर्चा सुनिश्चित करने के आसन के भरसक प्रयासों के बावजूद, यह सत्र दुर्भाग्यवश बार-बार व्यवधानों के कारण बाधित रहा, जिसके परिणामस्वरूप बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे न केवल बहुमूल्य संसदीय समय की हानि हुई, बल्कि हमें लोक महत्व के कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर भी नहीं मिला।

मानसून सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किंतु इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में मात्र 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए। इस दौरान सरकार ने लोकसभा में कुल 14 विधेयक पेश किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के भारी हंगामे के बीच बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। इनमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है। लोकसभा में जब गृह मंत्री इन तीनों विधेयकों को पेश कर रहे थे, उस समय विपक्ष के कुछ सदस्यों को उनके सामने कुछ कागज फाड़कर फेंकते देखा गया। सरकार ने इन तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव किया, जिसे दोनों सदनों ने मंजूरी दे दी।

आतंकवाद के अपराधी की तुलना सीमा पार आतंकवाद के पीड़ित से नहीं की जा सकती : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने राज्यसभा में कहा कि आतंकवाद के अपराधी यानी पाक की तुलना सीमा पार आतंकवाद के शिकार यानी भारत से नहीं की जा सकती। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के अपराधी, यानी पाक की तुलना सीमा पार आतंकवाद के शिकार, यानी भारत से नहीं की जा सकती। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वार्ताकारों के साथ इस स्पष्ट संदेश को लगातार दोहराया गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न वैश्विक राजधानियों का दौरा करने वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत के मजबूत राष्ट्रीय आम सहमति और सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दृढ़ दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए उपरोक्त संदेश को जोरदार तरीके से व्यक्त किया।

वोटर अधिकार यात्रा फिर शुरू, तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर विचारों की नकल का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/भाषा। बिहार में विपक्ष की 'वोटर अधिकार यात्रा' बृहस्पतिवार को एक दिन के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो गई। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर 'दूरदर्शिता के अभाव' और 'केवल उनके विचारों की नकल करने' का आरोप लगाया।

यादव ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपराह्न तक दिल्ली से वापस आएंगे और यात्रा में शामिल होंगे।

शेखपुरा जिले में यात्रा के फिर से शुरू होने पर यादव के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)-मार्क्सवादी-लेनिनवादी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी सहित अन्य लोग शामिल हुए। यादव ने कहा, हम बड़े भाई राहुल गांधी के आभारी हैं कि उन्होंने इस यात्रा के लिए इतना समय दिया। उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित उनके कुछ जरूरी काम हैं। वह दोपहर बाद हमारे साथ शामिल होंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सासाराम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे नेताओं की मौजूदगी में इस यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। यादव ने राज्य की नीतीश कुमार सरकार पर 'दूरदर्शिता के अभाव' और 'केवल उनके विचारों की नकल करने' का आरोप लगाया।

राजद नेता ने कहा कि उन्होंने (तेजस्वी ने) जो भी वादे किए थे, चाहे वह मूल निवास का मामला हो, प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म पर शुल्क माफी हो या युवा आयोग का गठन, वह (नीतीश कुमार सरकार) उन्हें अपनी पहल के रूप में पेश कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया, राज्य की थकी हुई (राजग) सरकार आगामी विधानसभा चुनावों में उखाड़ फेंकी जाएगी। बिहार को एक असली मुख्यमंत्री चाहिए, न कि नकली। हम सरकार बनाएंगे और हमारे पास राज्य के लिए एक 'विजन' है।

सुविचार

हार हो जाती है जब मान लिया जाता है, जीत तब होती है जब ठान लिया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कट्टरपंथ का बहाना, लोकतंत्र पर निशाना

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का भारत से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का 'आग्रह' करना हास्यास्पद है कि उसकी धरती से किसी भी बांग्लादेशी नागरिक द्वारा बांग्लादेश विरोधी गतिविधि नहीं की जाए। भारत किसी भी देश के खिलाफ ऐसी गतिविधियों की अनुमति नहीं देता है। आज बांग्लादेश के खिलाफ गतिविधि करने वाले सबसे ज्यादा लोग बांग्लादेश में ही हैं, जो शेख मुजीबुर्रहमान और असंख्य बलिदानियों द्वारा बनाए गए राष्ट्र को तहस-नहस करने को आमादा हैं। जिस देश में कट्टरपंथी तत्त्व दनदनाते फिर रहे हों और अन्य राजनीतिक विचारधारा के समर्थकों पर हमले कर रहे हों, उसे अपने यहां हालात बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का इशारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर था, जिसे वह प्रत्यर्पित करना चाहती है। हालांकि इसकी राह आसान नहीं है। इस समय बांग्लादेश में जैसा माहौल है, उसमें न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। अगर भारत ने समय रहते शेख हसीना को आश्रय न दिया होता तो उनकी जान को खतरा था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का यह बयान पाखंड से भरा हुआ है कि 'सरकार ने इन खबरों पर गौर किया है कि 'प्रतिबंधित' अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं।' जो सरकार अन्य राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाए, उनके नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई करे, वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश से ऐसा 'आग्रह' कैसे कर सकती है? उसे पहले अपने यहां ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जिसमें अन्य दल भी लोकतंत्र में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह कहकर इस पड़ोसी देश को उचित जवाब दिया है कि 'बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रेस में जारी बयान गलत है और नई दिल्ली को भारत में अवामी लीग के कथित सदस्यों द्वारा बांग्लादेश विरोधी कोई भी गतिविधि या भारतीय कानून के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी नहीं है।' बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चाहिए कि वह अपने यहां पनप रहे कट्टरपंथ पर लगाम लगाए। इन दिनों जिस तरह पाकिस्तान की उसके साथ नजदीकी बढ़ती जा रही है, उससे इस आशंका को बल मिलता है कि भविष्य में वहां कई आतंकवादी संगठन जड़ें जमा सकते हैं। पाकिस्तान ने इन संगठनों को इसलिए तैयार किया था, ताकि ये भारत को परेशान करें। कालांतर में इन आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तानी जनता का खून बहाना शुरू कर दिया था, जो आज तक जारी है। पाकिस्तान के किसी सेना प्रमुख या शीर्ष नेता में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह इनके खिलाफ खुलकर कार्रवाई कर सके। अगर बांग्लादेश ने इन्हें अपनी धरती पर पनपने का मौका दे दिया तो इसका खामियाजा उसकी जनता को भुगतना होगा। याद रखें, ये आतंकवादी संगठन किसी भी तरह के लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और सिर्फ बम-बंदूक की भाषा जानते हैं। क्या मो. यूनुस या किसी बांग्लादेशी नेता में इतनी ताकत है, जो बांग्लादेश में इनके जड़ें जमाने के बाद इन्हें हटा सके? ढाका को निष्पक्ष चुनाव कराने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ऐसा चुनाव, जिसमें हर राजनीतिक दल और उसके नेताओं को भाग लेने की स्वतंत्रता हो। किसी दल और उसके नेताओं को मनमाने तरीके से मुकाबले से ही बाहर कर देने की कार्रवाई अनुचित है। इससे असंतोष बढ़ेगा, लोगों का आक्रोश फूटेगा और भविष्य में कई अप्रिय घटनाओं को बढ़ावा मिलेगा। बांग्लादेश को भारतीय विदेश मंत्रालय के इन शब्दों पर अमल करना चाहिए कि 'भारत अपनी अपेक्षा दोहराता है कि जनता की इच्छा और जनादेश जानने के लिए बांग्लादेश में जल्द से जल्द स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराए जाएंगे।' अगर कट्टरपंथियों को खुश रखने के लिए किसी दल और उसके नेताओं को चुनाव से बाहर रखा गया तो यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ होगा।

ट्वीटर टॉक

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि वें दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। स्व. कल्याण ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा हिमाचल व राजस्थान के राज्यपाल के रूप में कई ऐसे ऐतिहासिक विकास कार्य किए, जो सदियों तक उन्हें हमारे जेहन में जीवित रखेंगे।

-वसुंधरा राजे

चित्तौड़गढ़ के मोटलियास गांव में शंकरलाल जाट की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु दुःखद एवं संवेदनशील है। जानकारी के मुताबिक मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान और प्रकरण में पुलिस की ज्यादती एवं गैर-कानूनी कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

मिट्टी की खुशबू

एक बार भारत की प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. जनकी अमल को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाषण देने के लिए इंग्लैंड आमंत्रित किया गया। वहां उन्होंने भारत की खेती, पौधों और मानसून की विशेषताओं पर बोलते हुए एक बात कहीबारिश की पहली बूंद जब सूखी ज़मीन को छूती है तो जो खुशबू आती है, वह विज्ञान से ज़्यादा भाव का विषय है। यह सुनकर सभी वैज्ञानिक मुस्कराए। तभी एक विदेशी वैज्ञानिक ने सवाल किया, डॉ. जनकी, क्या उस खुशबू को वैज्ञानिक भाषा में भी समझाया जा सकता है? जनकी अमल कुछ क्षण मौन रहीं, फिर मुस्कराकर बोलीं, 'जब कोई किसान रोज़ सूखी धरती को निहारता है, तो उसमें एक आत्मीय रिश्ता बन जाता है। पहली बारिश जब गिरती है, तो सिर्फ़ मिट्टी नहीं भीगती, उसका मन भी भीगता है। यह खुशबू 'पेट्रीकोर' नामक रसायन के कारण होती है, लेकिन इसके पीछे इंतज़ार, समर्पण और जीवन की गंध छुपी होती है।' यह सुनकर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। डॉ. जनकी अमल ने उस दिन विज्ञान को भावना से जोड़कर यह साबित किया कि हर खोज के पीछे संवेदनशीलता भी होती है।

सामयिक

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज देश विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है।

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतिपय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराध मुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो।

किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

नजरिया

टूटते संयुक्त परिवार और बिखरता समाज

प्रो. महेश चंद गुप्ता

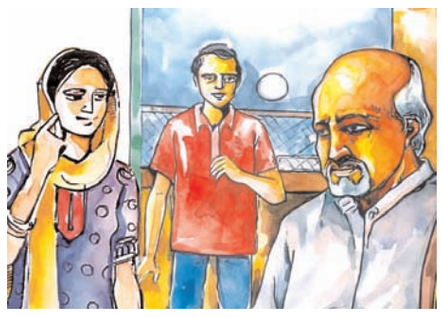

कितना अफसोसनाक है कि हम राष्ट्र की एकता की बात तो करते हैं लेकिन अपने ही परिवार की एकता नहीं बचा पा रहे। संयुक्त परिवारों के बिखरने से समाज का ताना-बाना ढीला हो गया है। रिश्तों में वह गर्माहट नहीं रही, बच्चों में वह संस्कार नहीं रहे और बुजुर्गों के लिए वह सम्मान नहीं रहा। जब परिवार टूटते हैं तो समाज भी बिखरता है और जब समाज बिखरता है तो राष्ट्र की एकता भी खतरे में पड़ जाती है। खुशी की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन कुटुंब प्रबोधन अभियान के जरिए परिवारों को जोडऩे का प्रयास कर रहे हैं लेकिन यह काम केवल किसी संगठन का नहीं बल्कि पूरे समाज का है।

हमारे समाज की आत्मा परिवार में बसती है। समाज की सबसे बड़ी शक्ति संयुक्त परिवार व्यवस्था रही है। तीन पीढ़ियों का एक साथ रहना, बुजुर्गों की देखरेख, बच्चों को संस्कारित करने और परिवार के बीच अपनायत ही वह धुरी थी जिस पर हमारी संस्कृति और समाज टिका हुआ था लेकिन दुर्भाग्य से आज यही मजबूत नींव दरक रही है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और उनकी जगह छोटे, एकल परिवार ले रहे हैं। परिणामस्वरूप, रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बुजुर्ग अकेलेपन से जूझने को मजबूर हैं और नई पीढ़ी संस्कारों से दूर होती जा रही है। हम लोग हमेशा गर्व से कहते आए हैं कि हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारा परिवार है। और परिवार में केवल मां-बाप और बच्चे नहीं बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई और भाई-बहनों का पूरा कुनबा होता था, जो संयुक्त परिवार कहलाता था। इसी व्यवस्था ने हमें कठिन से कठिन दौर में भी संभाले रखा। आज यह सब कुछ बदल रहा है।

जीवन के सत्तर वसंत देख चुके मेरी पीढ़ी के लोगों ने संयुक्त परिवारों का सुनहरा जमाना देखा और जीया है। वह समय था जब दादी की गोद में बैठकर हम कहानियां सुना करते थे। रामायण और महाभारत के किस्से, पंचतंत्र की कहानियां बचपन में हमारे संस्कार बन जाते थे। लेकिन अब उनकी जगह मोबाइल स्क्रीन ने ले ली है। बच्चे असली जीवन के अनुभवों से दूर कार्टून और गेम्स की आभासी दुनिया में पल-बढ़ रहे हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे बड़ों की देख-रेख में बड़े होते थे। कोई पढ़ाई में कमजोर होता तो चाचा-ताऊ उसकी मदद करते, कोई बीमार पड़ता तो चाची-ताई तुरंत सेवा में जुट जातीं। यह सहयोग केवल परिवार तक सीमित नहीं था बल्कि बच्चों की सोच में भी घर कर जाता। वे सबको साथ लेकर चलना सीखते और यही मूल्य समाज को मजबूत बनाते थे।

बड़ा सवाल है कि आखिर हमारे संयुक्त परिवार धीरे-धीरे बिखर क्यों गए? इसके पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है उपभोक्तावादी संस्कृति। बाजार चाहता है कि हर परिवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए ताकि हर घर के लिए अलग टीवी, अलग फ्रिज, अलग गाड़ी बिके। जब एक परिवार चार हिस्सों में बंटता है तो खपत चार गुना बढ़ जाती है। यही बाजार की रणनीति है। दूसरा कारण है पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण। मीडिया और फिल्मों ने यह छवि गढ़ दी कि संयुक्त परिवार झगड़ों की जड़ हैं और छोटे परिवार आधुनिकता के प्रतीक। युवाओं को लगने लगा कि संयुक्त परिवार में स्वतंत्रता नहीं, बोझ है। धीरे-धीरे यह धारणा समाज में बैठ गई है।

तीसरा कारण बदलती जीवन शैली है। शहरों में नौकरी के दबाव, कॅरियर की दौड़ और कथित आजादी की सोच ने भी परिवार को पीछे धकेला। अब युवा पीढ़ी मैं और मेरा परिवार' तक सीमित हो गई है। चौथा कारण, बहुत से लोगों द्वारा बेटियों के ससुराल में अनावश्यक दखलअंदाजी है। इस कारण वहां की शांति भंग होती है। बेटे-बहू अलग हो जाते हैं। संयुक्त परिवारों के बिखरने का यह भी बड़ा कारण बन रहा है। लेकिन सोचिए, कितना कुछ खो दिया है हमने इस बीच में? संयुक्त परिवार केवल रहने का ढांचा भर नहीं था बल्कि यह जीवन जीने की पाठशाला था। दादा-दादी बच्चों को कहानियों से मूल्य सिखाते, माता-पिता अनुशासन देते और भाई-बहनों के बीच सहयोग व त्याग से धैर्य पैदा होता था। बुजुर्गों को सम्मान और सुरक्षा मिलती थी। बच्चे माता-पिता ही नहीं बल्कि पूरे परिवार से संस्कार सीखते थे। पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, बड़ों का आदर, अतिथि देवो भव की भावना संयुक्त परिवार की ही देन थे।

इस बात से क्या कोई इनकार कर सकता है कि भारत के सेवा, त्याग, सहनशीलता जैसे महान जीवन मूल्य संयुक्त परिवारों में ही जन्मे थे। यही कारण है कि हम हजारों सालों तक आक्रमणों, संकटों और बदलावों के बावजूद टिके रहे। इसके विपरीत, आज के छोटे परिवार की तस्वीर अलग है। बच्चे अकेलेपन से जूझते हैं। मां-बाप नौकरी में व्यस्त रहते हैं तो बच्चों का सहारा मोबाइल और इंटरनेट बन जाता है। बुजुर्ग या तो उपेक्षित हैं या वृद्धाश्रमों में धकेल दिए जा रहे हैं। रिश्तों में अपनापन घट गया है और स्वार्थ बढ़ रहा है। विवाह जैसी संस्था कमजोर हो रही है। लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विकल्प बढ़ रहे हैं। रिश्तों में स्थायित्व की जगह अस्थिरता आ रही है। नतीजा यह है कि समाज में मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा तेजी से बढ़ रही है।

कितना अफसोसनाक है कि हम राष्ट्र की एकता की बात तो करते हैं लेकिन अपने ही परिवार की एकता नहीं बचा पा रहे। संयुक्त परिवारों के बिखरने से समाज का ताना-बाना ढीला हो गया है। रिश्तों में वह गर्माहट नहीं रही, बच्चों में वह संस्कार नहीं रहे और बुजुर्गों के लिए वह सम्मान नहीं रहा। जब परिवार टूटते हैं तो समाज भी बिखरता है और जब समाज बिखरता है तो राष्ट्र की एकता भी खतरे में पड़ जाती है। खुशी की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन कुटुंब प्रबोधन अभियान के जरिए परिवारों को जोडऩे का प्रयास कर रहे हैं लेकिन यह काम केवल किसी संगठन का नहीं बल्कि पूरे समाज का है। हमें खुद तय करना होगा कि हम अगली पीढ़ी को किस तरह का भारत सौंपना चाहते हैं? बड़ा सवाल यह भी है कि हम आगे कैसे बढ़ें? सबसे पहले तो हमें संयुक्त परिवार को बोझ नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक संपत्ति मानना होगा। हमें समझना होगा कि आधुनिकता का मतलब परंपरा से कट जाना नहीं है। असली आधुनिकता वही है जिसमें परंपरा और प्रगति का संतुलन हो। परिवारों को जोडऩा, बुजुर्गों को सम्मान दिलाना और बच्चों को संस्कार देना, यही वह रास्ता है जिस पर चलकर हम अपने समाज को फिर से मजबूत बना सकते हैं। हमें यह सोचना होगा कि अगर परिवार टूटेंगे तो समाज भी बिखरेगा और अगर परिवार मजबूत होंगे तो देश भी मजबूत होगा।

संयुक्त परिवारों का टूटना केवल सामाजिक बदलाव नहीं बल्कि भारतीयता का क्षरण है। आने वाली पीढिय़ों को अकेलेपन और उपभोक्तावाद के हवाले करना सबसे बड़ा अपराध होगा। परिवार का बिखरना समाज और राष्ट्र के विखंडन की पहली सीढ़ी है। आवश्यकता इस बात की है कि हम फिर से उस अपनायत और सामूहिकता की भावना को जीवित करें जिसने भारत को सभ्यता की सबसे पुरानी और मजबूत धारा बनाया था। याद रखिए-अगर परिवार एक होगा तो देश भी एक होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाराजा कमलचंद्र भंजदेव (बायें) एवं जगदलपुर के महापौर संजय पांडे (दायें)।

बस्तर का महल

बस्तरः कोहिनूर की धरती की बदलती तस्वीर

नक्सल छवि से सांस्कृतिक वैभव की ओर ...

श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नाम सुनते ही हमारे मानसपटल पर नक्सल प्रभावित क्षेत्र की छवि उभर आती है लेकिन अब वहां तेजी से बदलाव आ रहा है। हाल ही में चित्रकोट कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम कार्यक्रम में बस्तर जाने का अवसर मिला तो वहां के काकतीय राजवंश के 23वें वंशज, मौजूदा युवराज कमलचंद्र भंजदेव से मिलने का मौका मिला। वे राजनीतिक रूप से भाजपा से जुड़े हैं और क्षेत्र के विधायक भी हैं।

ज्ञातव्य है कि बस्तर रियासत की स्थापना 14 वीं शताब्दी में हुई थी। रियासत के 20 वें वंशज श्री प्रवीरचंद्र भंजदेव 1936 में राजा बने जो जनता के बीच बहुत लोकप्रिय रहे। बस्तर के आदिवासी उन्हें भगवान मानते थे और आज भी उनको पूजते हैं। उन्होंने 1948 तक राज किया। प्रवीरचंद्र भंजदेव की 1966 में उनके ही महल में पुलिस की गोली से मृत्यु हो गई थी।

वर्तमान वंशज श्री कमलचंद्र भंजदेव भी अपने विनम्र व्यवहार के कारण स्थानीय आदिवासियों में बहुत लोकप्रिय हैं। उनकी हाल ही में गत फरवरी माह में ही नागौद रियासत की राजकुमारी से शादी हुई है। वे लंदन से पोलिटिकल साइंस में ग्रेजुएट हैं और वर्ष 2010 में स्वदेश लौटकर उन्होंने अपने पूर्वजों की रियासत संभाली। उन्होंने प्रवीर सेना भी बनाई है जिसमें लगभग 28 लाख आदिवासी हैं।

राजवंश की कुल देवी माँ दंतेश्वरी

गौरतलब है कि बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी हैं। उनका मुख्य मंदिर दंतेवाड़ा में है तथा एक मंदिर यहां बस्तर महल परिसर में स्थापित है। हमने भी माता दंतेश्वरी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। राजमहल में कमलचंद्र भंजदेव जी का आत्मीय आतिथ्य सत्कार भी मिला। उन्होंने बताया कि बस्तर का दशहरा मैसूर के विश्वप्रसिद्ध दशहरे से भी अधिक पुराना है लेकिन पिछड़े क्षेत्र के कारण उतना प्रचार प्रसार नहीं हुआ और विश्व पटल पर नहीं पहुंच सका।

बस्तर का महल

एक और रोचक बात, कोहिनूर हीरा सबसे पहले बस्तर रियासत के पास था जो 1303 में अलाउद्दीन खिलजी के साथ युद्ध के दौरान चोरी हो गया था। बस्तर रियासत बहुत बड़ी थी, एक तरफ तेलंगाना तक तो दूसरी तरफ महाराष्ट्र की सीमा तक फैली थी। बस्तर का दशहरा आज भी भव्यता के साथ मनाया जाता है और कम से कम 90 दिन तक चलता है। महल परिसर को जनता के लिए खोल दिया जाता है। समस्त जनता के रहने-खाने का बंदोबस्त राजघराने की तरफ से होता है।

राजवंश की कुल देवी माँ दंतेश्वरी

कॉफ़ी बोर्ड में हुई अंतर कार्यालयीन हिंदी भाषण प्रतियोगिता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में गुरुवार को नराकास (का-4) के सरकारी सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को हिंदी के प्रति उत्साहित कर इसके प्रयोग में वृद्धि करने के मकसद से अंतर कार्यालयीन हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉफ़ी बोर्ड के संयुक्त निदेशक (योजना एवं समन्वय) शिवकुमार स्वामी, उप निदेशक (प्रशासन) अजीत कुमार राऊत तथा प्रतियोगिता के निर्णायक एवं उप निदेशक (लेखा) तरुण शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र एवं अन्य साथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी उषा ने सरस्वती वंदना की।

शिवकुमार स्वामी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील के साथ सभी को शुभकामनाएं दीं। निर्णायक तरुण शर्मा ने प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियमों की जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में कुल 41 कार्मिकों ने भाग लिया। शर्मा ने हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी दो वर्गों में दो अलग-अलग प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कारों की घोषणा की। अतिथियों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया एवं बधाई दी।

नराकास (का-4) के सदस्य सचिव राजभवन ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई दी और हिंदी की प्रगति में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन उषा ने किया। कार्यक्रम के प्रबंधन में संस्थान के अनुवाद अधिकारी सी मादप्पा एवं डॉ. अनुश्री पीएस ने सहयोग किया। डॉ. धीरज मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिता का समापन हुआ।

बेंगलूरु में गुरुवार को साउथ यूनाइटेड फुटबॉल क्लब (एसयूएफसी) की आवासीय अकादमी के शुभारंभ पर एसयूएफसी आवासीय अकादमी के कार्यक्रम प्रमुख इंद्रेश नागराजन, एसयूएफसी के निदेशक शरण पारिख, एसयूएफसी के सीईओ मोहम्मद रफीक और क्रिमसन एजुकेशन के सह-सीईओ हुसैन दोहादवाला की उपस्थिति में शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रिजवान अरशद फुटबाल खेलकर उदघाटन करते हुए।

जमील के मार्गदर्शन में नेशंस कप के लिए 35 में से 25 संभावित खिलाड़ी ले रहे ट्रेनिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने अपने खिलाड़ियों को रिलीज करने से इनकार कर दिया है जिसके बाद भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच खालिद जमील के पास ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में होने वाले सीएएफए नेशंस कप से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलाए गए 35 में से 25 खिलाड़ी ही बचे हैं। यह शिविर 16 अगस्त को 22 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ था लेकिन छह दिन के बाद भी 11 खिलाड़ी इसमें शामिल नहीं हुए हैं। कुछ दिन पहले तीन खिलाड़ी शामिल हुए थे लेकिन इनमें से एक मूल 35 खिलाड़ियों में शामिल नहीं है। भारत अपने पहले मैच में 29 अगस्त को हिसोर में सह मेजबान ताजिकिस्तान से भिड़ेगा। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने अपने सात खिलाड़ियों अनिरुद्ध थापा, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, मनवीर सिंह, सहल अब्दुल समद, विशाल कैथ को इस आधार पर रिलीज नहीं किया है क्योंकि टूर्नामेंट फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में आयोजित नहीं हो रहा है जिससे खिलाड़ियों को रिलीज करना अनिवार्य नहीं है।

कोलकाता का यह क्लब 17 अगस्त को डूरंड कप से बाहर हो गया है लेकिन इसके बावजूद उसने अपने खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करने का फैसला किया। जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी मनवीर सिंह और अल्बिनो गोम्स मूल 35 खिलाड़ियों में शामिल थे जो शिविर से जुड़ गए हैं। साथ ही पंजाब एफसी के नए खिलाड़ी मुहम्मद उवैस भी सोमवार को शिविर में शामिल हुए जिससे खिलाड़ियों की संख्या 25 हो गई। ईस्ट बंगाल बुधवार को डूरंड कप के सेमीफाइनल में हार गया था लेकिन अभी तक स्पष्ट नहीं है कि क्लब के तीन खिलाड़ी अनवर अली, जैकसन सिंह और नाओरेम महेश सिंह शिविर से जुड़ेंगे या नहीं और टीम की रवानगी में बस कुछ दिन ही बचे हैं।

कल से स्टाइल, कला और लक्ज़री का लगेगा मेला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के फैशन और लक्ज़री प्रेमियों के लिए एक शानदार मौका है। हाई लाइफ प्रदर्शनी का आगाज 23 अगस्त को 'द ललित अशोक' में होगा। यह 25 अगस्त तक अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। यह प्रदर्शनी डिज़ाइनर फैशन, स्टेटमेंट ज्वैलरी, लक्ज़री होम डेकोर और ढेर सारे अनूठे प्रॉडक्ट्स को एक ही छत के नीचे पेश करेगी। हाई लाइफ प्रदर्शनी में आपको ट्रेंडसेटिंग एक्सेसरीज़ से लेकर एलिगेंट परिधानों तक का शानदार कलेक्शन मिलेगा, जो कला और रचनात्मकता का बेहतरीन नमूना होगा। चाहे आप अपने वॉर्डरोब को अपग्रेड करना चाहते हों या घर की सजावट को नया रंग देना चाहते हों, यहां हर किसी के लिए कुछ खास मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि इस शानदार शॉपिंग अनुभव को मिस न करें और स्टाइल को नए आयाम दें।

नीरू बाजवा ने इंडस्ट्री में एंट्री के लिए बोला 'झूठ'

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री नीरू बाजवा इन दिनों फिल्म 'तेहरान' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए झूठ का सहारा लेना पड़ा था। अभिनेत्री ने बताया था कि कनाडा से आने वाले लोगों को लेकर इंडस्ट्री में एक गलत धारणा थी, इसलिए उन्होंने सबसे कहा था कि वह चंडीगढ़ की रहने वाली हैं। नीरू ने कहा, इंडस्ट्री में पहले लोगों को लगता था कि अगर आप कनाडा से हो, तो आपको स्थानीय भाषा अच्छे से नहीं आती होगी और आप अच्छे से भारतीय या पंजाबी भाषा नहीं बोल पाओगे। इसलिए मैं लोगों से झूठ बोला करती थी कि मैं चंडीगढ़ की रहने वाली हूं और सबसे भारतीय लहजे में बात करती थी, क्योंकि मैं इस सोच से तंग आ गई थी। साथ ही, मैं ये भी जानती थी कि उन्हें कितना भी समझाओ, वे नहीं मानेंगे।

उन्होंने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। उन्होंने कहा, मैंने किरदार के लिए कोई खास तैयारी नहीं की थी। सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई।

नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ।

अनुराग कश्यप ने एआई निर्मित फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' को लेकर निर्माता विजय सुब्रमण्यम की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने निर्माता विजय सुब्रमण्यम की एआई निर्मित फिल्म ''चिरंजीवी हनुमान- द इटरनल'' की आलोचना करते हुए कहा है कि यह कदम हिंदी सिनेमा के ''खतरनाक'' भविष्य को दर्शाता है। कश्यप ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए सुब्रमण्यम के लिए एक संदेश लिखा, जो टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी 'कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क' के संस्थापक और समूह सीईओ हैं। कश्यप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कोई भी अभिनेता या कोई भी व्यक्ति जो खुद को कलाकार कहता है और जिसमें हिम्मत है, उसे या तो उनसे (सुब्रमण्यम) सवाल करने चाहिए या एजेंसी छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने (सुब्रमण्यम ने) ये स्पष्ट कर दिया है कि उनके अनुसार आप उनके एआई-आधारित प्रदर्शन के मुकाबले कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, हिंदी फिल्म उद्योग के रीढ़विहीन और कायर तथाकथित कलाकारों का भविष्य यहीं है। शाबाश विजय सुब्रमण्यम। तुम्हारे लिए शर्म पर्याप्त नहीं है। तुम्हें तो गटर में होना चाहिए। निर्देशक ने आगे कहा कि कंपनियां हमेशा प्रतिभा की बजाय अपने हितों को प्राथमिकता देती हैं।

कश्यप ने कहा, रचनाकारों के हितों की रक्षा और प्रतिनिधित्व करने की बात तो सिर्फ कहने भर की है। आखिर में, ये सभी एजेंसियां सिर्फ आपके जरिये पैसा कमाने में दिलचस्पी रखती हैं और जब वे आपके लिए एक के बाद एक बेकार विकल्प चुनते हैं और आप उनके लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर पाते, तो अब वे पूरी तरह एआई की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले, कश्यप के करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक पोस्ट में फिल्म की घोषणा को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।मोटवानी ने कहा था, तो यह शुरू हो गया... जब फिल्म 'मेड इन एआई' हो, तो फिर लेखकों और निर्देशकों की ज़रूरत किसे है?'' सुब्रमण्यम ने इससे पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उनका उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है, जो आधुनिक तकनीक को प्राचीन कहानियों के साथ जोड़ें और युवा दर्शकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएं।

बिहार से भाजपा सांसद शांभवी चौधरी गुरुवार को नई दिल्ली के अकबर रोड पर एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन का अभिनंदन करती हुईं।

पंजाबी फिल्म 'मेहर' का ट्रेलर रिलीज, शिल्पा शेट्टी ने की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा पंजाबी फिल्मों की दुनिया में कदम रख चुके हैं। उनकी पहली पंजाबी फिल्म 'मेहर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। 'मेहर' में राज कुंद्रा 'करमजीत सिंह' नाम के शख्स के किरदार में हैं।

ट्रेलर की शुरुआत में राज कुंद्रा कहते हैं, एक दिन आएगा रंधावा, जब मुझे देखने के लिए तुझे टिकट लेना पड़ेगा। इसके बाद वे बॉक्सिंग की प्रैक्टिस करते नजर आते हैं। फिर एक आवाज सुनाई देती है, जिसमें कहा जाता है, अपने पापा जैसा तो बॉक्सर नहीं बन सका, लेकिन एक्टर तो तू कमाल का बनेगा करमजीत सिंह। इस लाइन के साथ करमजीत का एक्टिंग सफर शुरू होता दिखाया जाता है। फिल्म में गीता बसरा भी हैं, जो करमजीत की पत्नी सिम्मी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म साइन करने की खुशी में करमजीत और सिम्मी साथ में जश्न मनाते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, एक झूठ सामने आता है, जो उनके रिश्ते को काफी हद तक खराब कर देता है।

इस झूठ की वजह से करमजीत और सिम्मी के बीच दूरियां बढ़ जाती हैं और उनके रिश्ते में तनाव आ जाता है। ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि करमजीत सिम्मी से एक मौका मांगता है, लेकिन वह मना कर देती है और रिश्ता खत्म करने की बात करती है। इस दौरान सिम्मी के पिता भी कहते हैं, हीरो बनता-बनता डाकू बन गया है तू। झूठ की वजह से करमजीत के दोस्त भी उससे दूर हो जाते हैं।

ट्रेलर के अंत में करमजीत एक्टिंग छोड़कर फिर से बॉक्सिंग में लौट आता है और इस बार वह पूरी मेहनत से अपनी मंजिल पाने की कोशिश करता है।

इस ट्रेलर को शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है और लिखा, पंजाबी फिल्मों को एक नया हीरो मिला है, लेकिन वह कई सालों से मेरा हीरो है। राज कुंद्रा, फिल्मों की दुनिया में आपका स्वागत है। 'मेहर' की पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। गाने और अब ट्रेलर दोनों ही शानदार हैं। मैं फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। 'मेहर' की कहानी संघर्ष, प्यार और परिवार के जज्बे को बखूबी पेश करती है। फिल्म 5 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमिताभ बच्चन के बंगले में घुसा बारिश का पानी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। इससे आम लोगों से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक परेशान हैं। इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में दिख रहा है कि बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन के जुहू वाले घर में पानी भर गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो वायरल है। इसमें अमिताभ बच्चन के जुहू वाले बंगले प्रतीक्षा के सामने और अंदर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक शख्स मुंबई की बारिश के बारे में लोगों को बताते दिख रहा है, कैसे लोग पानी से परेशानी झेल रहे हैं। मुंबई में इन दिनों जहां देखो पानी ही पानी है।

इसी बीच वो अमिताभ बच्चन के घर का रुख करता है और दिखाता है कि उनके घर में भी बारिश का पानी भर गया है।

बता दें कि अमिताभ बच्चन की तबीयत भी इन दिनों सही नहीं है। हाल ही में उन्होंने अपने आधिकारिक ब्लॉग पर 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी सेहत की भी जानकारी लोगों को दी। इस ब्लॉग की शुरुआत करते हुए बिग बी ने लिखा, ''कभी भी किसी भी चीज को हल्के में न लें।' अमिताभ ने उस स्थिति की ओर इशारा भी किया, जहां लोग अधिकार या ताकत के आगे झुक जाते हैं, और सही फैसला लेने में हिचकिचाते हैं। उन्होंने लिखा, ''कभी-कभी हम अधिकारों के सामने झुकते हैं, और अगर सही मायने में झुकें, तो यह ठीक भी होता है, लेकिन अक्सर लोग खुद को ऐसे हालात में पाते हैं, जहां वे सही को लेकर असमंजस में होते हैं... और फिर वे बस किनारे बैठे रहते हैं।'' ब्लॉग में बिग बी ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इनमें वे कैमरे के सामने अपने खास अंदाज में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे की चमक यह साफ दिखाती है कि वे आज भी अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन फिलहाल 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन होस्ट कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 22-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

दृढ़ संकल्प से जिन्दगी में सफलता : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस पर प्रवचन के दौरान जयवंत मुनिजी म.सा. ने कहा कि जगत के सभी प्राणियों की यही अभिलाषा होती है कि वे सुखी बनें। हर कोई सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। लेकिन हर व्यक्ति के लिए सुख की परिभाषा अलग होती है। किसी के लिए घर सुख है, किसी के लिए गाड़ी और बंगला, तो किसी के लिए स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। परंतु ज्ञानीजन कहते हैं कि सुख दो प्रकार का होता है-एक वह जो हम चाहते हैं और दूसरा वह जो सहज रूप से भोगना पड़ता है। उनका कहना है कि केवल चाहने से सुख नहीं मिलता, बल्कि परिश्रम करने से ही सुख प्राप्त होता है। जीवन में दृढ़ संकल्पों को लेने और उन्हें फलीभूत करने के लिए कठिन परिश्रम और इच्छा शक्ति का होना जरूरी है। सच्चे और स्थायी सुख के लिए संयम को अपनाना आवश्यक है। धर्म करने के लिए 'कल' नहीं आज ही करना होगा। ज्ञानीकहते हैं कि धर्म करने की उम्र में ही धर्म कर लेना चाहिए, क्योंकि बाद का कोई भरोसा नहीं। संसार हमें धर्म करने नहीं देगा। जो इसे समझ जाता है, वही संभल जाता है; और जो नहीं समझता, वह जीवन की दौड़ में फिसल जाता है। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

आत्म निरीक्षण का स्वर्णिम अवसर है पर्युषण पर्व : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण प्रवचन माला के तहत गुरुवार को कहा कि पर्युषण पर्व आत्मनिरीक्षण का स्वर्णिम अवसर है यह पर्व शरीर से उपरत होकर चेतना के धरातल पर जीवन जीने की प्रेरणा लेकर आता है इस पर्व का संबंध आत्म गुणों के प्रकटीकरण से है मुनि श्री ने कहा कि पर्व के पवित्र दिनों के दौरान व्यक्ति को आप्त पुरुषों की वाणी का स्वाध्याय करना बेहद जरूरी है जो आप तो पुरुषों की वाणी है वही आगम है भगवत वचन है उस में किंचित मात्र भी संदेह नहीं करना चाहिए ! सही मायने में श्रावक वही है जो श्रद्धा पूर्वक आगम वाणी का समादर करता है ।

उन्होंने कहा कि इस दुनिया में जितनी भी सम्पदा और वरदान हैं उनमें सबसे बड़ा वरदान मन की शांति और प्रसन्नता है मानव जैसा बेहतरीन जीवन पाकर भी जो उदासी और खामोशी भरा जीवन जीता है उससे बड़ा अभागा दुनिया में कोई नहीं है। वास्तविक जीवन जीने की कला वही है जो इंसान को हर हाल में खुश रखने की क्षमता प्रदान करती हो प्रतिकूल परिस्थिति में भी दिलों दिमाग को संतुलित बनाए रखती हो। धर्म विवेक में है कोरे बहाव में नहीं व्यक्ति के भीतर अज्ञान मिटे और विवेक की चेतना जगे यही पर्यूषण पर्व की आराधना का मूल उद्देश्य है। व्यक्ति को कर्मों की अनादि काली पराधीनता को नजर के सामने रखकर कर्मों का सफाया करने के लिए साधना मार्ग पर कदम बढ़ाने में जरा भी विलंब नहीं करना चाहिए और धर्म साधना करने के लिए कल पर आश्वस्त नहीं होना चाहिए, क्योंकि पता नहीं कल आएगा भी या नहीं। जीवन में सारे चमत्कार तभी घटित होते हैं जब इंसान श्रद्धालु होता है इसलिए इंसान को अपने जीवन में श्रद्धा को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व और निमित्त से सदा दूर रहना चाहिए क्योंकि जहां श्रद्धा है वहां पराजय का मुंह नहीं देखना पड़ता है। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने संचालन किया।

अन्तरविद्यालय प्रतियोगिता 'प्रगति 2025' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सनातन धर्म एसोसिएशन के तत्वावधान में संचालित मोतीलाल फोमरा सनातन धर्म हायर सेकेन्डरी स्कूल के परिसर में प्रगति मंच पर अंतरविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन 20 अगस्त को हुआ। मुख्य अतिथि बिग एफएम रेडियो चेन्नई की आरजे मृदुला रही। अध्यक्ष विजय गोयल ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'प्रगति 2025' के सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को निखारने और दिखाने का प्रयास करना है। मुख्य अतिथि विभिन्न प्रतियोगितायों में विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 31 विद्यालयों के 450 छात्र, छात्राओं ने प्रतिभागी बनकर कार्यक्रम को सफलता के शिखर तक पहुंचा दिया। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में विद्यालय के पत्राचारक विजय माहेश्वरी, संयुक्त पत्राचारक प्रदीप चोरडिया, एसएम दम्मानी, अनिल दलाल, करुणा मोहता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंजू सारड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कर्तव्यों का पालन ही साधना की सच्ची आराधना : आचार्य हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में पर्युषण पर्व के दूसरे दिन आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज ने श्रद्धालुओं को वार्षिक ग्यारह कर्तव्यों का बोध कराया। उन्होंने कहा कि वर्ष भर इन कर्तव्यों का पालन आत्मकल्याण की दिशा में अनिवार्य कदम है। आचार्यश्री ने कहा कि संघ पूजन तीर्थंकरों के समान पूजनीय है। उन्होंने संघ को सूर्य, चंद्रमा, रथ, पर्वत आदि अनेक उपमाएं दी।

उन्होंने कहा, जब मन में अहंकार आता है तब सब चीजें चली जाती है और जब मन से अहंकार जाता है तब सब चीजें आ जाती है। जो संघ पूजन नहीं करता है, वह संघ से बाहर हैं। साधर्मिक भक्ति धर्म को स्थिरता प्रदान करती है।साधर्मिक भक्ति का सच्चा भाव होना जरूरी है। साधर्मिक बलशाली होगा तो धर्म टिक पाएगा। यात्रा त्रिक के अंतर्गत संघ यात्राएं, तीर्थयात्रा और अट्ठाई यात्रा का आयोजन आवश्यक है। वर्ष के दौरान छःरी पालित संघ, तीर्थ यात्रा, अट्ठाई यात्रा करनी चाहिए। शासन प्रभावना हेतु रथ यात्रा भी जरूरी है। भव्यातिभव्य स्नात्र पूजा व वाद्ययंत्रों के साथ उपासना उपसर्गों को दूर करती है, जबकि प्रभु के चढ़ावे और भंडार भरने से देवद्रव्य वृद्धि का लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि रात्रि जागरण में परमात्मा भक्ति, धर्मजागरण और कायोत्सर्ग से आत्मबल की वृद्धि होती है। भंडार में पैसे, चढ़ावा आदि लेने से देव द्रव्य वृद्धि का लाभ मिलता है। वर्ष के दौरान एक बार मंदिर को सजाकर सिद्धचक्र, भक्तामर आदि महापूजन होना चाहिए। इसे छठे कर्तव्य के रूप में जानना है। आचार्यश्री ने आराधना में सदैव असंतोष का भाव रखने की प्रेरणा दी और कहा कि यही आत्मकल्याण के मार्ग की सच्ची कुंजी है।

आत्मा का मैल मिटाने के लिए प्रभु की सच्ची भक्ति जरूरी : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सैदापेट के बाजार रोड स्थित एसएस जैन संघ में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि यह पर्व प्रभु की भक्ति धर्म आराधना करने का पर्व है। भगवान से बड़ा भक्त होता हैं। भक्त की भक्ति से प्रभावित होकर भगवान स्वयं भक्त के द्वार आ जाते हैं। प्रभु को पाने के लिए मंदिर या तीर्थ तीर्थ ही जाना पड़े ऐसा जरूरी नहीं है, सच्ची श्रद्धा से, समर्पण भाव से प्रभु भक्ति हो तो भगवान भी खुश हो जाते हैं। जैसे मीरा की भक्ति, सूरदास की भक्ति, सबरी काआत्मविश्वास, नाव चलाने वाले केवट और राम भक्त हनुमान की भक्ति से खुश होकर भगवान स्वयं उनके द्वार पहुंचे थे। उसी तरह चन्दना की अटूट श्रद्धा और भक्ती से भगवान महावीर स्वामी भी स्वयं गए थे। शरीर और कपड़े का मेल तो साबुन पानी से साफ हो जाता है परंतु आत्मा का मेल उतारने के लिए सच्ची भक्ती और प्रभु भजन की आवश्यकता होती हैं। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने प्रश्न मंच की प्रतियोगिता की जानकारी दी।

संत का सच्चा श्रृंगार संयम, साधना और सादगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि जब तक शिल्पकार नहीं मिलते तब तक पत्थर हजारों साल तक पत्थर ही रहता है। कुशल शिल्पकार के मिलन के बाद वह मूर्ति का आकार लेकर सभी के लिए पूजनीय बन जाता है। वैसे ही जब तक हमारी आत्मा को सद्गुरु का सहयोग नहीं मिलता, तब तक अनंत जन्मों तक आत्मा भटकती रहती है। जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरु नहीं, वह हमारे लिए परमात्मा से भी बढ़कर है जो आत्मा और परमात्मा का साक्षात्कार करवाते हैं। व्यसन और विलासिता में डूबे हुए पाखंडी गुरु धर्म और मानवता पर कलंक है। यदि वह मिल जाए तो सर्व विनाश ही होगा। मुनि कमलेश ने बताया कि माटी की मटकी लेते हैं तो उसे भी ठोंक बजा कर लेते हैं तो फिर जीवन निर्माण के लिए गुरु का चयन बहुत सोच समझकर करना चाहिए। भ्रमित गुमराह और मार्ग से भटकाने वालों कुगुरुओं की इस संसार में कमी नहीं है। राष्ट्र संत ने कहा कि सतगुरु के एक मिनट का सानिध्य ही तीन लोक की संपत्ति के दान से बढ़कर है। अनंत जन्मों के अज्ञान को दूर करके सन्मार्ग प्रदान करते हैं सद्गुरुअनंत पुण्य से मिलता है। लोभ लालच और और स्वार्थ में डूबे धर्मगुरु पत्थर की नाव के समान है। वह भी डूबते हैं और भक्तों को भी डूबा देते हैं। संयम साधना और सादगी संत का सच्चा श्रृंगार है।

एजी जैन स्कूल में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ किया गया। इस प्रदर्शनी में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए 34 से अधिक विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने अपने सृजनात्मक एवं नवोन्मेषी वर्किंग मॉडल्स प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच और कौशल का परिचय दिया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राथमिक शिक्षा निदेशक डॉ पीए नरेश के किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित मॉडलों को गहन रुचि से देखा और उनकी रचनात्मकता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक प्रयोगधर्मी कला है।

इस अवसर पर एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के उपाध्यक्ष हस्तीमल चौधरी, कोषाध्यक्ष कैलाशचंद चोरड़िया एवं कार्यकारिणी के सदस्य राकेश सिंघवी उपस्थित थे। विद्यालय के करेस्पोंडेंट हनुमान चंद बोथरा ने स्वागत भाषण में सभी का अभिनंदन किया एवं विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह जी ढढा ने विभिन्न प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। इस प्रदर्शनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलित रोबोटिक्स, बिरला नक्षत्रशाला, जंगल सफारी और अंत में फन जोन आदि का समायोजन था। एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरडिया ने विजयी प्रतिभागियों को अपने सौजन्य से नकद पुरस्कार राशि देने की घोषणा की।

दान में ममत्व व स्वामित्व का विसर्जन जरूरी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि दानशीलता का एक अर्थ है पारस्परिक सहयोग। इसे ही तत्वार्थ सूत्र में परस्परोपग्रहो जीवानाम कहा गया है। अपरिग्रह व्रत की आराधना में भी दानशीलता सहायक बनती है। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के दूसरे दिन गुरुवार को उन्होंने कहा कि दान में ममत्व और स्वामित्व का विसर्जन आवश्यक है। डॉ. धींग ने कहा कि दीक्षा से पूर्व भगवान महावीर के वर्षीदान देकर दुनिया को विसर्जन की सीख दी। दीक्षा के बाद वस्त्रदान के प्रसंग से करुणा, मानवीय गरिमा और वस्तुओं के चक्रित उपयोग की सीख मिलती हैं। चंदनबाला के हाथों पारणा करके भगवान महावीर ने 2600 साल पहले ही दासप्रथा के विरुद्ध बिगुल बजा दिया था।

उन्होंने कहा कि दानवीर भामाशाह ने महाराणा प्रताप को अपना सर्वस्व समर्पित करके इतिहास की धारा की मोड़ दी थी। उन्होंने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को गतिमान बनाए रखने में भी जैनों ने अपनी तिजोरियां खोल दी थीं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है जैन बंधु आज भी सेवा, शिक्षा और आपदा की घड़ियों में सहयोग करने में आगे रहते हैं। श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, तमिलनाडु शाखा के संयोजक प्रसन्न भंसाली ने अंतगडदशा सूत्र का वाचन किया। माला भंसाली ने हिंदी में विवेचन किया। युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की कविता 'कम खाना, गम खाना, नम जाना' सुनाई।

अहिंसा से ऊँची दया और दया से भी ऊँचा प्रेम होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां संकल्प जैन संघ, केएलपी में चातुर्मास हेतु विराजित पंन्यासश्री निर्मोह सुंदर विजयजी ने अपने प्रवचन में एक तार्किक प्रश्न रखा, अहिंसा बड़ी होती है या प्रेम? माँ को अपने पुत्र से बहुत प्यार होता है, तो अहिंसा अपने आप आ जाती है। अहिंसा लानी नहीं पड़ती है। जीवसृष्टि में रहे सभी जीवों के प्रति यदि हृदय में प्रेम रहा, तो अहिंसा की प्रेरणा करनी ही नहीं पड़ेगी। आप भिखारी को बिना प्यार दान दे सकते हो, लेकिन प्रेम, दान के बिना रह नहीं सकता। ठीक उसी प्रकार प्रेम, अहिंसा के बिना रह नहीं सकता। अहिंसा, बिना प्रेम की हो सकती है।

आज तक हमने महावीर को अहिंसा का पुजारी माना, लेकिन हमने बड़ी गलती कर दी है। वास्तव में महावीर प्रेम के पुजारी थे। भगवान महावीर को इस सृष्टी के सभी जीव प्यारे थे। हम भगवान की भक्ति करना तो चाहते हैं, लेकिन सभी जीवों से मैत्री यदि नहीं रखना चाहते हैं, तो भगवान हमारे भक्ति को स्वीकार नहीं करते है। पर्युषण के प्रथम दिन, पाँच कर्तव्यों की बात बताई। पर्युषण के अवसर पर खचाखच भरे रत्नसुंदर प्रवचन मंडप में मुनिश्री के द्वारा लिखित किताब 'दूध का दूध-पानी का पानी' किताब का विमोचन केएलपी के भवरलाल परमार व मनीषभाई परमार ने किया।

हमेशा अतिथि का सत्कार करें यही भारतीय संस्कृति है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्त्वावधान में चातुमासार्थ विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने कहा कि प्रभु परमात्मा महावीर स्वामी ने लम्बी तपस्या की थी उसी के अंतर्गत उन्होंने 13 अभिग्रह धारण किए। वे भिक्षा के लिए निकले घूमते घूमते चंदना के द्वार के पधारे। चंदना तीन दिन भूखी-प्यासी थी। हाँथों में हथकड़ी, पाँवों में बेड़ी होने पर भी चंदनबाला भावना भा रही थी कि मेरे घर प्रभु पधारे एवं में उनको आहार वगैरा दूं। प्रभु पधारे भी एवं 13 अभिग्रह में से 12 अभिग्रह पूर्ण होने भी लौटकर जाने लगे। उस समय चंदनबाला की आंखों में आंसू आए कि मेरे भाग्य कैसे हैं कि प्रभु मेरे द्वारा आने पर भी लोट गए यह देखकर भगवान को तेरहवा अभिग्रह भी पूर्ण लगा। जब तक चंदनबाला ने भक्ति भाव पूर्वक उड़द के बकुल बाहर आए इसी प्रकार के जीवन में पूर्व भाव में खीर का दान दिया था। हमारे घर भी कोई भी अतिथि आ जाए तो उसका सन्मान सत्कार करना चाहिए। क्योंकि अतिथि के आने की कोई तिथि निश्चित नहीं होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अभी भी हमें यही सिखाती है कि हमारे द्वार से कोर्स खाली नहीं जाए। जो भी हमारे यहां स्वधर्मी या साधु-संत पधारते हैं उनका पूरा आदर सत्कार के साथ आवभगत की जाती है।

साध्वी सर्वज्ञाश्रीजी ने कहा कि हमें उपकारियों के उपकारों को याद रखना चाहिए। कभी भी उपकारी के उपकार को नहीं भूलना चाहिए। तभी हमारा पर्युषण पर्व मनाना सार्थक और सफल बन सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी एवं साध्वी ऋषिताश्रीजी ने अंतगड़सुत्र वाचन किया।

क्षमा देने वाला और मांगने वाला हमेशा महान होता है : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस पर अपने प्रवचन में श्रावक के पर्युषण के 5 कर्तव्यों में से तीसरे कर्तव्य क्षमापना के बारे में कहा कि द्वेष-ईर्ष्या को भूलकर क्षमा मांगनी व क्षमा देना ही क्षमापना है। कोई क्षमा न करे तो भी हम शुद्ध बन जाते हैं, यदि हम क्षमा मांग लें तो। क्षमा मांगते व क्षमा देते समय मन हलकापन अनुभव करता ही है। एक दूसरे के प्रति हुए मन दु:खों को भूलकर, बंद बोलचाल चालू कर क्षमापना कर लेना ही चाहिए। चौथा कर्तव्य अट्ठम का तप होता है यानी 3 उपवास करना, यह वार्षिक आलोचना है, जो संवत्सरी के पूर्व कर लेनी ही चाहिए। इस काल में कुछ न कुछ तप अवश्य करना चाहिए यदि तप न करे तो बियासणा, स्वाध्याय, नवकार मंत्र जाप तो जरूर करना ही चाहिए। अट्ठम तप से देवताओं का सान्निध्य प्राप्त हो सकता है। अट्ठम परम मंगल है। पांचवा कर्तव्य है चैत्यपरिपाटी अर्थात प्रभु के मंदिर में जाकर पूजा, दर्शन आदि करना। चाहे रोज नहीं जा सकते, परंतु पर्युषण के दिनों में तो अवश्य जाना चाहिए प्रभु मूर्ति प्राण है और जिनालय प्रभु की देह है। चैत्य परिपाटी प्रभु की ऊर्जा को प्राप्त करने का माध्यम है। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.